

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों को दी गई स्वास्थ्य एवं पोषण की जानकारी



गरियाबंद। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मैनपुर विकासखंड के विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों में 25 सितंबर से 6 अक्टूबर तक आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के दौरान महिलाओं, बच्चों एवं परिवारों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के साथ-साथ स्वास्थ्य,

पोषण एवं सामाजिक सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा है। मैनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत खरीपथरा, छैलखोंगरी, जांगड़ा, तुहामेटा, तैतलखुटी, भेजीपदर, कुचेंगा, छोटेंगोबरा, भैसमुंडी, सागड़ा एवं सरगौगुड़ा के 51 आंगनबाड़ी केन्द्रों में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं एवं बच्चों ने बह-चढ़कर

भाग लिया। स्वास्थ्य विभाग की मितानियों तथा श्रम विभाग के कर्मचारियों ने उपस्थित महिलाओं और परिवारों को स्वास्थ्य, पोषण एवं सामाजिक सुरक्षा के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस दौरान गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए पोषण जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। इस अवसर पर गर्भवती एवं धात्री महिलाओं की गोद भराई रस्म भी संपन्न कराई गई। उन्हें मातृत्व, पोषण

एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई। महिलाओं को शासन की योजनाओं का लाभ लेकर अपने परिवार के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाले हितग्राहियों को सम्मानित किया गया। आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं मितानियों को भी सम्मानित किया गया।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत मूल्यांकन परीक्षा में 1 हजार 109 शिक्षार्थियों ने



गरियाबंद। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत राष्ट्व्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन जिले के सभी विकासखण्डों, ग्राम पंचायतों एवं वार्डों में राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण रायपुर के निर्देशानुसार किया गया। परीक्षा के

सफल आयोजन के लिए कलेक्टर रणबीर शर्मा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर के निर्देशन पर जिला परियोजना अधिकारी तथा संबंधित अधिकारियों- कर्मचारियों द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। महापरीक्षा के लिए जिले में कुल

2 हजार 366 शिक्षार्थियों का पंजीयन कराया गया था। इनमें से 1 हजार 109 शिक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा में 718 महिला एवं 391 पुरुष शिक्षार्थी शामिल हुए। जिले में परीक्षा के लिए कुल 118 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। जहां निर्धारित प्रक्रिया के तहत शिक्षार्थियों का मूल्यांकन किया गया। गरियाबंद जिले के उज्जेल में भी महापरीक्षा का आयोजन किया गया। यहां कुल 17 पंजीकृत कैदियों में से 13 शिक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। उन्होंने परीक्षा देकर साक्षर बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया। परीक्षा के दौरान एसडीएम सु हितेश्वरी बाघे, जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार चन्द्राकर, जिला परियोजना अधिकारी बुद्धविलास सिंह तथा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी गजेन्द्र ध्रुव सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सेवा संकल्प अभियान : पिपराहा तालाब मे चलाया गया स्वच्छता अभियान



बलौदाबाजार। सेवा संकल्प अभियान एवं स्वच्छता ही सेवा 2026 अंतर्गत नगर पालिका परिषद बलोदाबाजार के वार्ड क्रमांक 6 स्थित पिपराहा तालाब ने नगर पालिका द्वारा सतत सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान तालाब के किनारे एवं जल क्षेत्र में जमा जलीय कचरा एवं अन्य अव्यवस्थित सामग्री को जमावृत्तिनिधि गण, पालिका अधिकारी-कर्मचारी द्वारा श्रमदान कर सफाई अभियान चलाया गया , जिससे तालाब का स्वरूप स्वच्छ एवं व्यवस्थित हो। नगर पालिका परिषद बलोदाबाजार द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि तालाब में कचरा,

प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट न डालें और इस ऐतिहासिक धरोहर को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने में नगर पालिका का सहयोग करें। शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिले में 17 सितम्बर से सेवा मेरा भ्रमोदन अंतर्गत नगरीय निवासियों मे शहर के तालाब परिसर,सड़क,चौहो एवं जलभराव क्षेत्र में नियमित रूप से सफाई कार्य किया जा रहा है। अभियान में वार्ड पार्षद हजोत सिंह सलुजा, सतीश पटेल, जितेंद्र कुमार डडसेना, मनोज कांत पुरेना, मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशीष तिवारी व अन्य कार्यालयीन कर्मचारीगण एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

नाग देव मंदिर में जनसुविधाओं के लिए 7.50 लाख की घोषणा, महापौर का

धमतरी/हटकेसर। सुभाष नगर वार्ड स्थित नाग देव मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए नगर निगम की ओर से महिला एवं पुरुष शौचालय तथा यूरिनल ब्लॉक निर्माण के लिए 7 लाख 50हजार रुपये की घोषणा की गई है। महापौर जगदीश 'रामू' रोहरा की इस घोषणा पर क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं ने खुशी जताई। घोषणा के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए पार्षद पूर्णिमा देवांगन के साथ नाग देव महिला समूह की पदाधिकारी एवं सदस्य नगर निगम कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने महापौर रामू रोहरा से मुलाकात कर पुष्पगुच्छ भेंट किया और मंदिर परिसर में आवश्यक जनसुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए धन्यवाद दिया। महिला समूह की सदस्यों ने



कहा कि मंदिर परिसर में शौचालय एवं यूरिनल ब्लॉक का निर्माण होने से यहां आने वाले श्रद्धालुओं, महिलाओं, बच्चों और आसपास की नागरिकों को सुविधा मिलेगी। क्षेत्र की आवश्यकता को देखते हुए जनसुविधा के लिए राशि की घोषणा करने पर उन्होंने महापौर का आभार जताया। महापौर रामू रोहरा ने कहा

कि नाग देव मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है। नागरिकों की आवश्यकता के अनुरूप विकास एवं जनसुविधा से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहर के विकास में नागरिकों की सहभागिता महत्वपूर्ण है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी 'मन की बात' की 138वीं

धमतरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 138वीं कड़ी का रविवार को धमतरी में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं वार्डवासियों ने सामूहिक श्रवण किया। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक रंजना डीपेन्द्र साहू ने देवेन्द्र नगर स्थित भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरणदेव सिंह के निवास पर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम सुना। वहीं ब्राम्हण पारा वार्ड में पूर्व पार्षद अचलाकिशन सोनी के निवास पर भी कार्यक्रमोंओं, कार्यकर्ताओं एवं वार्डवासियों ने सामूहिक श्रवण किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस कड़ी में वर्ष 2016 की सर्जिकल स्ट्रोक की दसवीं वर्षगांठ



के संदर्भ में आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का उल्लेख किया। उन्होंने जनगणना में जनभागीदारी, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, युवाओं को नशे से दूर रखने, खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और पोषण जैसे

विषयों पर अपने विचार साझा किए।प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' अभियान का भी उल्लेख किया तथा मुनगा को पोषण और स्वस्थ जीवशैली से जोड़ने की पहल की जानकारी दी। इसके अलावा अशोक सिंघेल की

जन्म शताब्दी, सोमनाथ एवं मोरेरा की ऐतिहासिक विरासत तथा देश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का भी उल्लेख किया। ब्राम्हण पारा वार्ड में आयोजित कार्यक्रम में महिला मोर्चा मीडिया प्रभारी डेल प्रतिमा सोनी, कार्यालय मंत्री खिलेश कुम्भकार, बृथ अध्यक्ष अमित साहू, वरिष्ठ कार्यकर्ता बसंत तिवारी, किशन सोनी सहित अन्य कार्यकर्ता एवं वार्डवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर वर्तमान पार्षद कोमल सार्वी ने सभी का आभार व्यक्त किया। देवेन्द्र नगर में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरणदेव सिंह, रंजना डीपेन्द्र साहू सहित भाजपा के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लबित पेंशन प्रकरणों का 30 अक्टूबर तक निराकरण के निर्देश

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ शासन वित्त विभाग के निर्देशानुसार पेंशन प्रकरणों का शीघ्र निराकरण हेतु जिला पंचायत सभाकक्ष बलौदाबाजार मे पेंशन निराकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर मे समस्त विभागों के आह्वरण एवं संचितरण अधिकारी शामिल हुए और लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु दिशा- निर्देश प्राप्त किये। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने राज्य शासन की मंशानुसार सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी कर्मचारियों के पेंशन एवं अन्य देयतायें उसी दिन भुगतान करने के

चुनाव आयोग के संयुक्त बयान से कांग्रेस और विपक्षी इंडी गठबंधन के झूठ का

महासमुंद्र। महासमुंद्र भाजपा की जिलाध्यक्ष येतराम साहू ने भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा है कि लगभग सौ बार चुनाव हार चुके कांग्रेस नेता राहुल गांधी अब बौखलाहट पर उतारू हो गए हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अगुआई में कांग्रेस अब देश की तमाम संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने, लगातार झूठ और फरेब के राजनीति कर देश को बयान करने में जुटी हुई है। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त समेत तीनों आयुक्तों के संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस से यह साबित हो गया है कि आयोग में मतभेद संबंधी कांग्रेस के तमाम दावे न केवल खोखले हैं, बल्कि जान-बूझ कर देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और भारत की संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर करने की राहुल गांधी की सोची-समझी साजिश है।



केंद्रीय चुनाव आयोग के संयुक्त प्रेस नोट से दूध का दूध और पानी का पानी हो गया है। यह फिर से साबित हो गया है कि कांग्रेस सिर्फ और सिर्फ झूठ, सनसनी और भ्रम फैलाने का काम कर रहा है। उसका झूठ फिर से बेनकाब हो गया है। अपने संयुक्त बयान में आयोग ने यह स्पष्ट किया है कि एसआईआर समेत सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए। भारत के चुनाव आयोग की दुनिया

भर में साख है। उसके निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाना विपक्ष की हताशा का प्रतीक है। कांग्रेस को ऐसी हरकतों से बाज आना चाहिए।इस संबंध में अग्निजी अखबार की रिपोर्ट भी कोरी कल्पना के अलावा कुछ नहीं है। समाचार में कैबिनेट सेक्रेटरी को लिखे जिस पत्र का जिक्र है, वह न तो किसी किसी नीतिगत विषय से संबंधित है, न ही एसआईआर से संबंधित। वह सामान्य प्रशासकीय विषय था। वैसे भी चुनाव आयोग सीधे राष्ट्रपति जी के प्रति जिम्मेदार है, इसलिए कैबिनेट सचिव को किसी नीतिगत मामले पर पत्र लिखने का अकोई तुक ही नहीं है, न ही आयुक्तों ने ऐसा कोई पत्र लिखा है। अफसोस की बात यह है कि जिन विषयों को सुप्रीम कोर्ट तक सही ठहरा चुका है, उसके खिलाफ भी कांग्रेस झूठ फैला रही है। फॉर्म-6 के घोषणापत्र समेत अनेक विषयों पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय से पहले ही पक्ष में

निर्णय आ चुका है, फिर भी कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की नाकाम कोशिश करती रहती है। कांग्रेस को संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप लगाने के बजाय तथ्यों का समान करना चाहिए। जब भी कांग्रेस जनता की अदालत में पराजित होती है, वह अपनी खोड़ी और हताशा निकालने के लिए संवैधानिक संस्थाओं पर झूठे आरोप मढ़ने लगती है। निर्वाचन आयोग के स्पष्ट और कड़े वक्तव्य ने विपक्ष के सभी झूठ और दुर्भावनापूर्ण प्रोपेगेंड को हवा निकाल दी है। जैसा कि आपने देखा है मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों डॉ. एस. एस. संघु एवं डॉ. विवेक जोशी ने कल दोपहर 3 बजे बैठक कर एक संयुक्त प्रेस वक्तव्य जारी किया जिसमें यह स्पष्ट कर दिया गया है कि देश भर में संचालित स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन सहित सभी प्रमुख निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए हैं।

12 साल में एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं महंगाई पर 'म' तक नहीं: आलोक

महासमुंद्र। देश के प्रधानमंत्री का काम जनता को असली मुद्दों से भटकाना और बरगलाना नहीं होता, लेकिन मोदी सरकार में यह सामान्य बन गया है। मन की बात में प्रधानमंत्री ने आज तक महंगाई



आम आदमी की जिंदगी से कोई लेना देना नहीं है, लेकिन देश की सबसे बड़ी चिंता महंगाई पर वह 'म' तक बोलने को तैयार नहीं है। मोदी

का म तक पर चर्चा नहीं किया। प्रदेश कांग्रेस के संयुक्त महासचिव और जीव जंतु कल्याण बोर्ड छत्तीसगढ़ के उपाध्यक्ष एवं आलोक चंद्राकर ने मोदी के मन की बात को जनता को भ्रमित करने वाला कार्यक्रम बताए हुए एक बातें कही है। चंद्राकर ने कहा कि मोदी देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने 12 साल के कार्यकाल में एक भी पत्रकार वार्ता करने की हिम्मत नहीं दिखाई, सवालों से भागना, जनता को भ्रमित करना और गैर जरूरी बातों में उलझाए रखना उनकी आदत बन गई है। मन की बात के नाम पर प्रधानमंत्री उन बातों पर घंटों समय बर्बाद करते हैं जिनका

के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश ने अगर किसी एक क्षेत्र में रिकॉर्ड तरकी की है तो वह है बेतहाशा महंगाई। खाने पीने का सामान, फ्यूल डीजल, रसोई गैस, गृह निर्माण सामग्री, परिवहन भाड़ा, इलाज और दवाइयों के दाम आसमान छू रहे हैं और अब त्योहारी सीजन से पहले जनता की जेब पर एक ओर वार होने जा रहा है। चंद्राकर ने कहा कि तांबा और एल्युमीनियम जैसे कच्चे माल की कीमत का हवाला देकर कंपनियां 1 अक्टूबर से एलईडी टीवी, वॉशिंग मशीन, फ्रिज, एसी जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामानों के दाम 5 से 10 प्रतिशत तक बढ़ाने जा रही है।

गरियाबंद। जिले में इस वर्ष अब तक सामान्य औसत की तुलना में 133.4 प्रतिशत वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त वर्षा प्रतिवेदन के अनुसार 01 जून से 28 सितंबर तक जिले में कुल 1462.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। पिछले 10 वर्षों के औसत वर्षा के आधार पर जिले की संभावित औसत वर्षा 1096.4 मिलीमीटर है। जिला प्रशासन द्वारा वर्षा की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अधीक्षक भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार कि तहसीलवार आंकड़ें 01 जून से 28 सितंबर तक छुप्रा तहसील में अब तक सर्वाधिक 1797.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। इसी तरह मैनपुर में 1698.1 मिमी, किंगेश्वर में 1596.5 मिमी, राजिम में 1576.7 मिमी, गरियाबंद में 1483.0 मिमी, देवभोग में 1085.5 मिमी तथा सबसे कम वर्षा अमलीपदर में 1003.4 मिमी दर्ज की गई है।

राजीव भवन में कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक, संगठनात्मक विषयों पर हुई

रायपुर। राजीव भवन में छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी एवं सांसद सुखदेव भगत की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, सह-प्रभारियों एसए. संपत कुमार, जरिता लैतफांग और विजय जांगड़ सहित प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों के साथ आगामी कार्यक्रमों और पार्टी की गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत करने तथा आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर अपने विचार रखे।बैठक में प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैट, सुशील आनंद शुक्ला,



उपाध्यक्ष गुरुमुख सिंह होरा, प्रतिमा चंद्राकर, आँबिका मरकाम, प्रेमचंद जायसी, बोरिश ठकुर, जे.पी. श्रीवास्तव, महामंत्री प्रभांत मिश्रा, दीपक मिश्रा, नरेश ठकुर, वासुदेव यादव, धानेश्वर पटेल, राजेन्द्र साहू, आरती सिंह, नीना रावतिया, फूलकेरिया भगत, सकलेन कामदार,

द्वितेन्द्र मिश्रा, सीमा वर्मा, पियूष कोसरे, कहैया अग्रवाल, शाहिद खान, दीपक दुने और सुबोध हरिववाल उपस्थित रहे। इसके अलावा कार्यसमिति सदस्य लालजी चंद्रवंशी, शकुन डहरिया, गंगा पोटाई, सुरेंद्र प्रताप जायसवाल एवं भोलाराम साहू भी बैठक में शामिल हुए।

सेवा निवृत्ति के दिन कर्मचारी के हाथ मे हो पीपीओ :



निर्देश दिये।उन्होंने कहा कि लंबे समय तक सेवा देने के बाद सेवानिवृत्त होने पर कर्मचारियों को उनकी पेंशन एवं अन्य देयतायें आसानी से मिल जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि सेवानिवृत्ति के दिन कर्मचारी के हाथ में पेंशन पेमेंट

ऑर्डर की प्रति हो ताकि उसे अपने पेंशन के लिये कार्यालय का चक्र न लगाने पड़े। उन्होंने कहा कि अब तक लंबित लगभग 317 प्रकरणों आसानी से मिल जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि सेवानिवृत्ति के दिन कर्मचारी के हाथ में पेंशन पेमेंट

होने के 24 महीने पूर्व ही पेंशन एवं अन्य स्वत्वों के भुगतान हेतु प्रक्रिया शुरू करे। जिला कोषालय हर माह सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की सूची और उमरे से सेवा निवृत्ति के दिन पेंशन आदेश की प्रति एवं सभी देयता प्राप्त करने वालों की सूची तैयार करने के निर्देश दिये। शिवािर मे विभिन्न विभागों के आह्वरण एवं संचितरण अधिकारियों द्वारा रखे गए समस्यायों के सम्बंध मे उपयुक्त जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला कोषालय अधिकारी सौम्या शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं आह्वरण संचितरण अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर में सड़क हादसे से मौत, मारपीट और डीजे विवाद समेत कई मामले दर्ज

रायपुर। रायपुर शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सड़क दुर्घटना, मारपीट, धमकी और शासकीय कार्य में बाधा से जुड़े कई मामले दर्ज किए गए हैं। खमतराई थाना क्षेत्र में तेज और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि मोबा, सिविल लाइन और कबीरनगर क्षेत्रों में अलग-अलग विवादों को लेकर मारपीट की घटनाएं सामने आईं। खमतराई थाना में दर्ज मामले के अनुसार, रिंग रोड नंबर-3 स्थित जवतकी ढाबा के पास एक वाहन चालक ने तेज और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल सवार राजेश कुमार कुर्रे (48), निवासी ग्राम मुंगी, को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल राजेश कुर्रे का मोबा स्थित बालाजी अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। पुलिस ने मर्ग जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है। मोबा थाना क्षेत्र के दलदल सिवनी स्थित शीतला मंदिर के पास गणेश विसर्जन के दौरान हुए विवाद में एक युवक के साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। इसी तरह खमतराई के उरकुरा स्थित श्रीराम नगर शक्तिधारा में प्रसाद वितरण को लेकर हुए विवाद में दो महिलाओं के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। मोबा थाना क्षेत्र में ही अनंत विहार निवासी एक युवक के साथ अज्ञात व्यक्ति द्वारा गाली-गलौज और मारपीट किए जाने की शिकायत दर्ज हुई है। वहीं, कबीरनगर थाना क्षेत्र में उधार पैसे मांगने की बात पर हुए विवाद में पत्नर से हमला कर चोट पहुंचाने का मामला सामने आया है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एलआईसी बिल्डिंग के सामने नाल रोड ब्रिज के नीचे गणेश विसर्जन ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ विवाद और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि रात 10 बजे के बाद डीजे बंद कराने के दौरान कुछ युवकों ने पुलिस स्टॉफ के साथ धक्का-मुक्की और अभद्र व्यवहार किया। पुलिस ने संबंधित आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पत्नी और दो बच्चों की हत्या के बाद पति ने खुद को भी चाकू मारा

रायपुर। राजधानी के माना थाना क्षेत्र के डूमतराई स्थित साहू पारा में शनिवार देर रात एक ही परिवार के तीन सदस्यों की हत्या से सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पुंशेखर साहू ने अपनी पत्नी और दो नाबालिग बच्चों पर धारदार चाकू से हमला कर दिया। हमले में तीनों की मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी ने खुद पर भी चाकू से वार कर लिया। गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए अंबेडकर अस्पताल (मेकाहारा) में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी मूल रूप से बालोद जिले का रहने वाला है और डूमतराई के साहू पारा में किराए के मकान में परिवार के साथ रह रहा था। शनिवार देर रात घर में किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपी ने पत्नी और दोनों बच्चों पर चाकू से हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर माना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल आरोपी को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने तीनों मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल को सुरक्षित कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पत्नी के चरित्र पर संदेह किए जाने की बात सामने आई है, हालांकि पुलिस ने घटना की पूरी वजह की अभी पुष्टि नहीं की है। पुलिस वारदात के क्रम, पारिवारिक विवाद और घटना से पहले की परिस्थितियों की जानकारी जुटा रही है। आरोपी की हालत में सुधार होने के बाद उससे पूछताछ भी की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद घटना से जुड़े अन्य तथ्य स्पष्ट होने की उम्मीद है। घटना के बाद डूमतराई इलाके में हड़कंप मचा हुआ है।

दो वाहनों से 18.46 किलो गांजा जब्त, चार गिरफ्तार

रायपुर। चिल्मी पुलिस ने अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग वाहनों से 18 किलो 460 ग्राम गांजा बरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 9.23 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त दो वाहन और चार मोबाइल फोन समेत कुल 22.53 लाख रुपये का मशरूका जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, 26 सितंबर को थाना चिल्मी के सामने एनएच-30 पर संधिध वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान हुंडई वरना क्रमांक छरू-4एच-८0755 को रोककर तलाशी ली गई। वाहन से 12 किलो 760 ग्राम गांजा बरामद हुआ। वाहन में सवार रविराज सिंह परिहार (19) और सौरभ सिंह बुंदेला (22), दोनों निवासी पन्ना, मध्यप्रदेश को गिरफ्तार किया गया। इसी दौरान एक अन्य मारुति सुजुकी शोल्ड प्रॉन्क्स वाहन की जांच में 5 किलो 700 ग्राम गांजा मिला। पुलिस ने वाहन सवार जोगेन्द्र राजा (25) और केशव राजा (22), दोनों निवासी पन्ना, मध्यप्रदेश को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने गांजा उड़ीसा के नुआपाड़ा से मध्यप्रदेश के पन्ना ले जाने की बात बताई है। पुलिस ने दोनों वाहनों और चार मोबाइल फोन को भी जब्त किया है। नेटवर्क की जांच जारी मामले में थाना चिल्मी में अपराध क्रमांक 22/2026 के तहत धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है।

राजधानी

23 अक्टूबर को जगदलपुर में आयोजित होगा मुरिया दरबार

राष्ट्रपति ने स्वीकार किया बस्तर दशहरा में शामिल होने का आमंत्रण

■ राष्ट्रपति की उपस्थिति से बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं को मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं और गौरवशाली विरासत के प्रतीक बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार में देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु शामिल होंगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निमंत्रण पर राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने 23 अक्टूबर 2026 को जगदलपुर में आयोजित होने वाले मुरिया दरबार में शामिल होने का आमंत्रण स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का निमंत्रण पत्र सौंपने के अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू, संस्कृति एवं पर्यटन

प्रयास हॉस्टल के बच्चों के स्वास्थ्य की चिंता,एमएमयू पहुंची उनके द्वार

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन की पहल पर संचालित प्रयास हॉस्टल, सड्डू में रहने वाले बच्चों एवं छात्रों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) द्वारा विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में मोबाइल मेडिकल यूनिट की दो टीमों ने भाग लिया और हॉस्टल परिसर में ही बच्चों एवं छात्रों को स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श, उपचार एवं दवा वितरण की सुविधा उपलब्ध कराई। शिविर में डॉक्टर, नर्स, लैब टेक्नीशियन एवं फर्मासिस्ट सहित पूरी मेडिकल टीम मौजूद रही। स्वास्थ्य कर्मियों ने बच्चों एवं छात्रों की सामान्य स्वास्थ्य जांच की, उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की सुना और आवश्यकतानुसार उपचार एवं चिकित्सकीय सलाह दी। ज़रूरतमंद मरीजों को मौके पर ही आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं। विशेष स्वास्थ्य शिविर के दौरान कुल 468 लोगों की ओपीडी जांच की गई। इनमें प्रयास हॉस्टल में रहने वाले बच्चों एवं छात्रों की भी

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, बस्तर लोकसभा सांसद श्री महेश करयप तथा संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन उपस्थित रहे। मां दृतिश्वरी को समर्पित बस्तर दशहरा अपनी विशिष्ट जनजातीय परंपराओं, लोक आस्था और सामुदायिक सहभागिता के लिए देशभर में अपनी अलग पहचान रखता है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने फरवरी 2026 में जगदलपुर में आयोजित बस्तर पंडुम के अवसर पर बस्तर दशहरा को जनजातीय संस्कृति और भाईचारे को अनूठा उदाहरण बताया था। उन्होंने बस्तर की प्राचीन परंपराओं और संस्कृति को संरक्षित करते हुए विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने की आवश्यकता पर भी जोर दिया था। ऐसे में बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार में राष्ट्रपति की प्रस्तावित उपस्थिति बस्तर की सांस्कृतिक पहचान, जनजातीय परंपराओं और लोक विरासत के लिए विशेष गौरव का अवसर होगी। बस्तर दशहरा की परंपराओं में मुरिया दरबार का विशेष महत्व है। यह आयोजन बस्तर की सामाजिक एवं सामुदायिक व्यवस्था की जीवंत



अभिव्यक्ति है। मुरिया दरबार के माध्यम से बस्तर की परंपराओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक प्रमुखों और स्थानीय समुदाय के बीच संवाद की परंपरा को आगे बढ़ाया जाता है। बस्तर की संस्कृति और सामाजिक जीवन में मांझी एवं चालकी जैसे पारंपरिक पदों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने जुलाई 2026 में बस्तर के प्रतिनिधिमंडल से

मुलाकात के दौरान भी मांझी और चालकी की सामाजिक जीवन तथा सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया था। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि बस्तर दशहरा छत्तीसगढ़ की ऐसी गौरवशाली सांस्कृतिक परंपरा है, जिसकी पहचान केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देश और दुनिया में है। मुरिया दरबार में राष्ट्रपति

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति बस्तर की जनजातीय संस्कृति और परंपराओं के लिए अत्यंत गौरव का अवसर है। उन्होंने कहा कि बस्तर की संस्कृति यहां के जनजीवन, लोक आस्था, कला, परंपराओं और प्रकृति से गहराई से जुड़ी हुई है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु की उपस्थिति से बस्तर की इस समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर और व्यापक पहचान मिलेगी। राज्य सरकार का प्रयास है कि बस्तर की परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करते हुए पर्यटन के माध्यम से स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार और आर्थिक अवसरों का विस्तार किया जाए। श्री अग्रवाल ने कहा कि बस्तर दशहरा हमारी सांस्कृतिक विविधता और सामुदायिक सहभागिता का जीवंत उदाहरण है। 23 अक्टूबर को मुरिया दरबार में राष्ट्रपति का स्वागत करना पूरे बस्तर और छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण होगा। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का बस्तर की संस्कृति और जनजातीय विरासत से विशेष जुड़ाव रहा है। फरवरी 2026 में उन्होंने जगदलपुर में बस्तर पंडुम का उद्घाटन किया था।

बाड़ी में छिपाकर रखी 9 लीटर महुआ शराब जब्त

रायपुर। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन आघात के तहत कोतारोड़ पुलिस ने ग्राम नंदेली के इंदिरा आवास पारा में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 9 लीटर महुआ शराब जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 900 रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 26 सितंबर को थाना प्रभारी निरीक्षक शील आदित्य सिंह को सूचना मिली थी कि नंदेली में एक व्यक्ति अपनी बाड़ी में अवैध बिक्री के लिए महुआ शराब छिपाकर रखा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी की पहचान मनबोध चौहान (40) निवासी ग्राम नंदेली, इंदिरा आवास पारा के रूप में हुई। तलाशी के दौरान दो प्लास्टिक जरीकेन में कुल 9 लीटर महुआ शराब बरामद की गई।

ज्ञानेश कुमार भाजपा के इशारे पर काम कर रही ज्ञानेश देश के मतदाताओं के खिलाफ षड़यंत्र किया-बैज..

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि देश के एक प्रतिष्ठित अखबार ने दावा किया कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में एसआईआर में मतदाताओं के नाम हटाने और जोड़ने में 14 मौकों पर लिखित आपत्तियां व्यक्त किया तथा टिप्पणियां किया लेकिन उनको नजरअंदाज कर दिया गया। यह सारे तथ्य आयोग के रिकार्ड में है जबकि आयोग का काम बहुमत के आधार पर चलता है ऐसे में दो आयुक्तों की आपत्तियां दरकिनार किया जाना, बताता है कि मुख्य चुनाव आयुक्त



अपनी मनमानी चला रहे है। उन्होंने एसआईआर के काम में मनमानी कर देश के 13 करोड़ मतदाताओं का नाम कटवा दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी और शाह के इशारे पर ज्ञानेश कुमार ने पूरे सिस्टम को हाइजैक कर लिया है और वोट चोरी जैसे लोकतंत्र विरोधी काम को अंजाम दे

रहे है। मोदी सरकार ने इसी तरह के देश विरोधी षड़यंत्रों को अंजाम देने वाले के लिये संरक्षण देने के लिये विपक्ष के सांसदों को सदन से बाहर निकालकर दिसंबर 2023 में एक कानून बनाया जिसके तहत चुनाव आयुक्तों को गिरफ्तारी अभियोजन से संरक्षण प्राप्त है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के ऊपर लगाये गये आरोप प्रमाणित हो रहे है। दो चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की टिप्पणियों से साफ हो गया है कि चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने पद के दायित्वों का निर्वहन निष्पक्ष रूप से नहीं कर रहे है।

नगरीय निकायों में हर 10 वार्डों पर एक सेवा सेतु शिविर आयोजित किए जा रहे

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रदेश के नगरीय निकायों में हर 10 वार्डों पर एक सेवा सेतु शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के जरिए नागरिकों को उनके क्षेत्र के नजदीक शासकीय योजनाओं और नगरीय सेवाओं का लाभ दिलाने के साथ आवेदनों के समयबद्ध निराकरण की व्यवस्था की गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने नागरिकों से निर्धारित तिथि पर अपने क्षेत्र के सेवा सेतु शिविर में पहुंचकर योजनाओं और नगरीय सेवाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है। उन्होंने ऑनलाइन आवेदन कर चुके नागरिकों से भी आवश्यक दस्तावेज और आवेदन की जानकारी लेकर शिविर में पहुंचने कहा है, ताकि आवेदन की स्थिति और आगे की प्रक्रिया की जानकारी मिल सके। शिविरों में मौके पर प्राप्त आवेदनों का पंजीयन कर उन्हें संबंधित विभागों को भेजा जा रहा है। वहीं पहले से ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों को भी प्रक्रिया से जोड़कर उनके निराकरण की कार्रवाई की जा रही है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक नीलेश महादेव क्षीरसागर ने अधिकारियों को प्रत्येक 10 वार्डों के लिए शिविर आयोजित करने और प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

रायपुर। संवाददाता

लगातार बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों और पुल-पुलियों को दुरुस्त करने लोक निर्माण विभाग ने तत्काल कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि क्षतिग्रस्त मार्गों व पुलों की मरम्मत में किसी तरह की देरी न हो और लोगों की आवाजाही कहीं भी प्रभावित न हो। जहां तत्काल सुधार संभव है, वहां संबंधित एजेंसी और ठेकेदार से शीघ्र मरम्मत कराकर यातायात शुरू कराया जाए। ज्यादा नुकसान वाले हिस्सों के पुनर्निर्माण और विशेष मरम्मत के प्रस्ताव भी तेजी से तैयार किए जाएंगे. इसके लिए तत्काल पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रदेश में 24 सितम्बर से 26 सितम्बर तक लगातार हुई बारिश से लगभग सभी नदी-नालों में बाढ़ की स्थिति बनी है और कई स्थानों पर पुल-पुलियों के ऊपर से भी पानी बहा है। पानी उतरने के बाद कई मार्गों और पुल-पुलियों के क्षतिग्रस्त होने की आशंका को देखते हुए लोक निर्माण विभाग ने सभी मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं, कार्यपालन अभियंताओं, अनुविभागीय अधिकारियों और उप अभियंताओं को तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता ने सभी मैदान अधिकारियों को क्षतिग्रस्त सड़कों और पुल-पुलियों को चेष्टोग्राफी एवं वीडियोग्राफी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नुकसान का तत्काल आकलन कर संभावित राशि को जानकारी अकाउंटेंट जनरल को

भेजते हुए सभी संबंधित कार्यालयों को प्रतिलिपि उपलब्ध कराने को कहा है। उन्होंने जहां क्षति का सुधार मौजूदा अनुबंध के दायरे में संबंधित एजेंसी या ठेकेदार से कराया जा सकता है। वहां बिना समय गंवाए मरम्मत कराने को कहा है, ताकि यातायात शीघ्र शुरू हो सके। वहीं जिन हिस्सों में पुनर्निर्माण या विशेष मरम्मत की जरूरत है, उनके प्राकलन सक्षम अधिकारी को 10 दिनों के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने कहा है कि विशेष मरम्मत के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध है। सड़कों व पुलों के सुधार के लिए प्रत्येक सक्षम अधिकारी को 15 दिनों में एसआर (एफडीआर) की स्वीकृति प्राथमिकता से जारी करने तथा राशि के आबंटन को उपलब्धता के लिए प्रमुख अभियंता कार्यालय को परिक्षेत्रवार एकमुश्त जानकारी भेजने को कहा गया है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मितानिनों का किया सम्मान

आंगन मिलन कार्यक्रम में शामिल हुई केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री ठाकुर.....

रायपुर। संवाददाता

सेवा संकल्प अभियान के तहत आज दुर्ग जिले के भिलाई स्थित आंगनवाड़ी केंद्र सेक्टर-7 में 'आंगन मिलन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर भी शामिल हुईं। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, वरिष्ठ नागरिक सुरेंद्र कौशिक, पुरुषोत्तम देवांगन एवं महिला मोर्चा भिलाई की अध्यक्ष श्रीमती स्वीटी कौशिक उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं और आशा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के सेवा-संकल्प की भावना के अनुरूप समर्पण के



साथ कार्य कर रही हैं। वे शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ गर्भवती महिलाओं, माताओं और बच्चों की देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यकर्ताओं द्वारा महिलाओं और बच्चों को पोषण, खान-पान तथा टीकाकरण के संबंध में समय-समय पर

आवश्यक जानकारी दी जाती है। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्य के लिए मिलने वाला प्रोत्साहन कार्यकर्ताओं में और अधिक ऊर्जा के साथ काम करने की प्रेरणा देता है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के अभिभावकों के सहयोग की भी आवश्यकता होती है। अभिभावक अपने

बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्र भेजने के साथ कार्यकर्ताओं द्वारा दी जाने वाली जानकारी और मार्गदर्शन में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता और समाज एक-दूसरे के पूरक हैं। राज्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में पोषण माह के दौरान गर्भवती महिलाओं, किशोरियों तथा कम वजन एवं कुपोषित बच्चों के लिए पौष्टिक आहार के महत्व के संबंध में जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। महिलाओं का स्वास्थ्य बेहतर रहेगा, तभी परिवार सशक्त होगा। बच्चों को पर्याप्त पोषण और उचित देखभाल देकर उनके बेहतर भविष्य को नींव रखी जा सकती है। उन्होंने स्वच्छता को भी स्वस्थ जीवन का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि घर-परिवार और आसपास के वातावरण में साफ-सफाई रखने से अनेक बीमारियों से बचाव किया जा सकता है।

बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्र भेजने के साथ कार्यकर्ताओं द्वारा दी जाने वाली जानकारी और मार्गदर्शन में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता और समाज एक-दूसरे के पूरक हैं। राज्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में पोषण माह के दौरान गर्भवती महिलाओं, किशोरियों तथा कम वजन एवं कुपोषित बच्चों के लिए पौष्टिक आहार के महत्व के संबंध में जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। महिलाओं का स्वास्थ्य बेहतर रहेगा, तभी परिवार सशक्त होगा। बच्चों को पर्याप्त पोषण और उचित देखभाल देकर उनके बेहतर भविष्य को नींव रखी जा सकती है। उन्होंने स्वच्छता को भी स्वस्थ जीवन का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि घर-परिवार और आसपास के वातावरण में साफ-सफाई रखने से अनेक बीमारियों से बचाव किया जा सकता है।



संपादकीय

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन- 2026 में ‘नई दिल्ली घोषणापत्र’ को अपनाया जाना इस समूह की बदलती भूमिका का महत्वपूर्ण संकेत है। भारत की अध्यक्षता में हुए इस सम्मेलन की पृष्ठभूमि में पश्चिम एशिया का संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध, व्यापारिक तनाव, शुल्क नीति और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की मांग जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। घोषणापत्र का सबसे अहम पहलू बहुपक्षीय और अधिक न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था तथा वैश्विक संस्थाओं में सुधार की

सीनेट से पहले ही पारित हो चुके इस ऐतिहासिक विधेयक पर ट्रंप के हस्ताक्षर के बाद इसका नाम अब ‘लिंगसे ओ ग्राहम सैंवशनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026’ हो गया है। प्रतिनिधि सभा में इस विधेयक को 262/159 के बहुमत से पारित किया गया। इस कानून के जरिए अमेरिका दरअसल रूस के ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों तथा प्रतिबंधों से बचने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रूसी तेल टैंकरों के गुप्त बेड़े ‘शैडो फ्लीट’ को निश्चित रूप से निशाना बनाएगा।

भारत के लिए क्यों बढ़ी ट्रंप की नई टैरिफ शक्ति की चिंता? हताशा की प्रतिक्रिया से उपजी चुनौतियां

(पुष्परंजन)
आम अमेरिकियों को यह चिंता सता रही है कि अमेरिका में आहुत मध्यावधि चुनाव एक डरावना सच न साबित हो जाए। जो बात परेशान करने वाली है, वह यह कि अमेरिकी महंगाई का असर इस बार कहीं भारत पर न पड़े। यह सच है कि 2008 की अमेरिकी मंदी का असर हमारे देश पर वित्तीय बाजारों, निर्यात और विदेशी निवेश के जरिए पड़ा था। अमेरिका में महंगाई बढ़ने या फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाए जाने का सीधा प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था, शेयर बाजार और आम आदमी को जेब पर पड़ता है। इस बार एक और खतरनाक काम इसी हफ्ते अमेरिकी संसद में हुआ है। शुल्क लगाने के लिए एक ऐसे विधेयक को स्वीकृति दी गई, जिससे ट्रंप की शक्तियां असीमित होने जा रही हैं। भारत के लिहाज से देखें, तो यह विधेयक अत्यंत घातक नतीजे देने वाला साबित हो सकता है।

अधिकार का दायरा

गौरतलब है कि अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) ने बुधवार, 16 सितंबर 2026 को दिवंगत रिपब्लिकन सीनेटर लिंगसे ग्राहम के सम्मान में नामित रूस और ईरान प्रतिबंध विधेयक को अंतिम मंजूरी दे दी। सीनेटर ग्राहम का इसी वर्ष जुलाई में अचानक निधन हो गया था। यह विधेयक पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था। अगस्त 2026 में अमेरिकी सीनेट ने इसे 86-11 के भारी बहुमत से पास किया था। एक साल से ज्यादा समय तक चली जटिल बातचीत के बाद ग्राहम ने वाइट हाउस को इसके लिए राजी करने में अहम भूमिका निभाई। अपनी मौत से ठीक एक दिन पहले वे सार्वजनिक रूप से यूक्रेन में देखे गए थे। दौरे के दौरान कीव की सड़कों पर ट्रकों के सामने खड़े होकर उन्होंने घोषणा की कि ट्रंप इस विधेयक का समर्थन करेंगे।

सीनेट से पहले ही पारित हो चुके इस ऐतिहासिक विधेयक पर ट्रंप के हस्ताक्षर के बाद इसका नाम अब ‘लिंगसे ओ ग्राहम सैंवशनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026’ हो गया है। प्रतिनिधि सभा में इस विधेयक को 262/159 के बहुमत से पारित किया गया। इस कानून के जरिए अमेरिका दरअसल रूस के ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों तथा प्रतिबंधों से बचने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रूसी तेल टैंकरों के गुप्त बेड़े ‘शैडो फ्लीट’ को निश्चित रूप से निशाना बनाएगा।

इस विधेयक की सबसे बड़ी बात यह है कि यह अमेरिकी राष्ट्रपति को उन देशों पर सी फीसद तक सीमा शुल्क (टैरिफ) लगाने का

आवश्यकता पर जोर देता है। इसे भारत के प्रयासों को सामूहिक रूप से आगे बढ़ाने की नजर से देखा जा रहा है।दरअसल, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में विकासशील देशों की भागीदारी एवं प्रतिनिधित्व बढ़ाने की मांग लंबे समय से भारत की प्राथमिकता रही है। इसका मतलब है कि विश्व स्तर के निर्णय केवल कुछ शक्तिशाली देशों तक सीमित न रहें, बल्कि वैश्विक दक्षिण की आवाज भी प्रभावी ढंग से

अधिकार देता है, जो रूस से कच्चा तेल या गैस खरीदना जारी रख रहे हैं। रूस से बड़े पैमाने पर तेल खरीदने के कारण भारत और चीन इसके मुख्य दायरे में आ सकते हैं।

प्रतिक्रिया की जड़

प्रतिनिधि सभा में जो कुछ हुआ, उसे देखकर साफ लगता है कि ज्यादातर रिपब्लिकन सांसद इस विधेयक का समर्थन करते हैं, लेकिन बातचीत की जानकारी रखने वाले लोगों के मुताबिक, हाल के दिनों में लगभग



एक दर्जन रिपब्लिकन सांसदों ने पार्टी नेताओं से विधेयक में शामिल शुल्क से जुड़ी नई शक्तियों को हटाने के लिए पैरवी की थी और एक तरह से इसके लिए अभियान चलाया था। उन्हें डर था कि नवंबर 2026 में मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले कीमती और बढ़ सकती है। नवंबर में रिपब्लिकन की जीत पर हर अमेरिकी को 5,000 डॉलर का चेक देने का ट्रंप का बड़ा मध्यावधि प्रस्ताव भी ठंडे बस्ते में जाता दिख रहा है, क्योंकि कैपिटल हिल के सत्तारूढ़ रिपब्लिकन नेताओं ने इस विचार से खुद को दूर कर लिया है।

इस कानून के तहत मिली नई शुल्क नीति लागू करने की शक्तियों का इस्तेमाल करके ट्रंप प्रशासन रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों, जिनमें चीन और भारत भी शामिल हैं, पर सी फीसद तक का शुल्क (लेवी) लगा सकता है। आलोचकों का कहना है कि इससे अर्थव्यवस्था को जबरदस्त झटका लग सकता है। मगर ट्रंप क्या ये सब ब्रिक्स सम्मेलन की सफलता देखकर अपनी खुशस निकाल रहे हैं?

‘नई दिल्ली घोषणापत्र’ समूह की बदलती भूमिका का महत्वपूर्ण संकेत

सुनी जाए। ब्रिक्स के सभी सदस्य देशों की संयुक्त घोषणापत्र पर सहमति बनाने में सफलता को भी भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है।घोषणापत्र में आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट रुख भी भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा सकता है। इसमें आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा करते हुए उसके वित्तपोषण, सीमा पर से घुसपैठ और आतंकियों को सुरक्षित पनाह देने की समस्या से निपटने की प्रतिबद्धता दोहराई गई

सैतानीसर्वे राष्ट्रपति हैं। यह उनका दूसरा और अंतिम कार्यकाल है। रिपब्लिकन पार्टी ट्रंप के नाम पर अब और अधिक दांव नहीं खेलना चाहती। अमेरिकी राजनीति मुख्य रूप से दो बड़ी पार्टियों- वर्तमान में प्रतिपक्षी डेमोक्रेट और सत्तारूढ़ रिपब्लिकन के बीच बंटी हुई है। ट्रंप का इन दोनों पार्टियों के साथ एक दिलचस्प इतिहास रहा है। राजनीति में आने से पहले वे एक समय (2001 से 2009 के बीच) एक पंजीकृत डेमोक्रेटिक सदस्य भी

रणनीतिक पहल

दिल्ली में संपन्न हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और नई दिल्ली घोषणापत्र में अमेरिकी प्रतिबंधों, शुल्क की धमकियों और वैश्विक स्तर पर डॉलर के वर्चस्व को लेकर चिंता जताई गई थी। उसके बाद से ही अमेरिकी रणनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ गई। बताया गया कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर अंतिम शुल्क दर तय करेंगे, लेकिन इससे सार्वजनिक रूप से बात करने वाले कुछ



डेमोक्रेट सांसद और निजी तौर पर चिंता जताने वाले रिपब्लिकन सांसदों की चिंताएं दूर नहीं हुई हैं। उनका मानना है कि इस संभावित सुरक्षा उपाय के बावजूद यह कानून आखिरकार शुल्क के मामले में ट्रंप को ही ताकतवर बनाएगा। ट्रंप के ताकतवर होने का मतलब है, वे अपनी मनमानी करेंगे। हालांकि कानून का समर्थन करने वाले दोनों पक्षों का तर्क है कि शुल्क से जुड़ी शक्ति सीमित और सोच-समझकर तय की गई है और यह डर बेवुनियाद है कि राष्ट्रपति को व्यापार के मामलों में ज्यादा ताकत मिल जाएगी। बहरहाल, रिपब्लिकन पार्टी के ज्यादातर लोग इस ‘फैकेज’ का समर्थन करने के लिए उत्सुक थे, जिसमें राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत रूसी सरकार के बड़े अधिकारियों, रूसी उद्योगपतियों, सरकारी कंपनियों और रूस के रक्षा उद्योग को समर्थन देने वाली विदेशी कंपनियों पर अनिवार्य प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है।

प्राथमिकता का तकाजा

डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राज्य अमेरिका के

है। घोषणापत्र में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई है। भारत के लिए यह इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह लंबे समय से आतंकवाद को वैश्विक चुनौती के रूप में उठता रहा है।हालांकि घोषणापत्र की वास्तविक सफलता इससे तय होगी कि सदस्य देश आतंकवाद के खिलाफ साझा नीति को व्यवहार में कितना उतारते हैं। ब्रिक्स देशों ने अमेरिका की एकतरफा शुल्क नीति पर भी गहरी चिंता जताई और गैर-शुल्क व्यापारिक

उपायों की वकालत की। स्थानीय मुद्रा में व्यापार, सीमा-पार भुगतान और वित्तीय सहयोग को बढ़ावा देना भी इसी का हिस्सा है। वर्तमान वैश्विक व्यापार में बढ़ते संरक्षणवाद के बीच यह संदेश महत्वपूर्ण है।तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल ढांचे और सतत विकास भी भारत के एजेंडे में प्रमुखता से शामिल हैं। इसके मद्देनजर भारत ने लचीलेपन, नवाचार, सहयोग एवं स्थिरता पर जोर दिया है और इसे ब्रिक्स देशों के घोषणापत्र में भी जगह दी गई



रह चुके हैं। हालांकि बाद में उन्होंने पाला बदला और रिपब्लिकन पार्टी में शामिल होकर इसकी पूरी विचारधारा को अपने 'एमएजीए' (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) आंदोलन के तहत नया रूप दे दिया। अब सवाल है कि भारत को किस रणनीति पर चलने की जरूरत है? बीते वर्ष अगस्त में अमेरिकी शुल्क-नीति के दबाव के बरक्स इस बार भारत ने शुरूआती दौर में ही स्पष्ट कर दिया है कि उसके लिए अपने आम नागरिकों की ऊर्जा जरूरतें और राष्ट्रीय हित का सवाल प्राथमिक है और वह इसे सुनिश्चित करेगा। यों भी, भारत की 1.4 अरब आबादी की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए एक दीर्घकालिक रणनीति की जरूरत है। जाहिर है, भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूस से तेल आयात जारी रखना चाहिए। हमें वैकल्पिक ऊर्जा की ओर ध्यान देना होगा। अमेरिका से किसी भी अनुचित या असमान व्यापार समझौते के दबाव में आकर अपने वाणिज्यिक हितों का समझौता नहीं करना चाहिए।

‘ब्रांड मोदी’ से ब्रिक्स तक, राजनीति में छतियों का यह खेल क्या कहता है?

(सुधीश पचौरी)
‘ब्रिक्स’ की बढ़ते-बढ़ते भारत की हल्ले-हल्ले..! मोदी-पुतिन की झपियां, मोदी-जिनपिंग का हाथ मिलाता और मोदी-पेजेशिकयान की मुश्कियां ये छतियां दिनों तक याद रहेंगी..! एक लंबा चौड़ा घोषणा-पत्रज कि आतंकवाद के खिलाफ कोई नरमी नहींज कोई समझौता नहींज कि युद्ध नहीं, शांति की जरूरत, किसी देश की दादागिरी स्वीकार नहीं..! तीन दिन तक लगातार ब्रिक्स सम्मेलन की चमक।

मौडिया हुआ बावला कस के मोरे अमेरिका और पाक पर कटाक्ष कि ये बना दुनिया के तीन अरब लोगों को संयुक्त मोर्चाज अमेरिकी दादागिरी को अबनाञ्जलर के विकल्प की मांग, जिसके तहत ‘ब्रिक्स’ के सदस्य देश आपस में अपनी-अपनी मुद्रा में कारोबार कर सकते हैं और डॉलर की दादागिरी से मुक्त हो सकते हैं! उधर, जब ब्रिक्स में कुछ निंदनीय न मिला, तो निशाना बने ‘छोले-भटूरे’ कि विदेशी मेहमानों को शाकाहारी हो क्यों परोसा! भोजन की राजनीति पर चर्चा दो दिन जारी रही, लेकिन तीसरे दिन के बाद निपट गई। फिर एक दिन खबर आई कि फिल्म ‘हुमान अंश’ ने ‘धुरंधर’ के भी रिकॉर्ड को तोड़ा दो करोड़ का खर्चा और कुछ ही दिनों में दो सी करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई..! ‘हुमान अंश’ के निदेशक बताते रहे कि किस तरह से ‘नीम करीली बाबा’ सभी को ‘हुमान चालीसा’ का पाठ करने को कहा करते थे और पाठ करके उसका अर्थ करते दिखे। कई पंडित बताते रहे कि ‘हुनुमान अंश’ ने बड़े वजट की फिल्मों को ऐसी की तैसी कर दी और सवने कहा कि जो फिल्म जनता के दिल की कक्षानी कहती है, वही हिट होती है।

इसके बरक्स खबर आई ‘उमर खालिद’ पर बने वृत्तचित्र को दिखाने और न दिखाने के विवाद की..! देखा। अपना समाज कितना ‘बहुलतावादी’ है कि सबके अपने-अपने हीरो हो सकते हैं। फिर एक दिन एलान हुआ कि भाजपा शासित इक्कीस राज्यों में आगामी दिनों में समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी लागू होगा। इसके बाद तो चैलेंजों की बहसें भिड़तों में बदलनी ही थी और बदलीं भी। सता कहिन कि विकास के लिए यूसीसी जरूरी, लेकिन विपक्ष के कुछ नेता कहिन कि पहले संसद में पास कराते, फिर लागू कराते। ये पिछले दरवाजे से क्यों करते हैं? सत्ता प्रवक्ता कहिन कि ‘एक देश एक कानून जरूरी’। आगे संसद में भी आ जाएगा, लेकिन आप तो तब भी विरोध करेंगे। फिर आई यूपीआई सेवा पर ‘शुल्क’ लगाने की बात और

इसके बाद एक खबर बनाई प्रधानमंत्री मोदी के 76वें जन्मदिवस ने। इस अवसर पर एक और ‘जेन-जी पीढ़ी’ द्वारा बाइक रैली निकाली गई। साथ ही बताया गया कि इस अवसर पर 100 शहरों में ‘आशीर्वाद के दीये’ जलाए जाएंगे। इसके बाद कहीं तीस लाख दीये जलाए गए तो कहीं बीस लाख। कहीं दस लाखज तो कहीं दो लाख दीये भी जलाए गए!

इस अवसर पर एक चैनल चर्चा में एंकर से लेकर बहुत से चर्चक ‘ब्रांड मोदी’ को ‘डिकोड’ करने में लगे रहे। एक कहिन कि जो ब्रांड वक्त के हिसाब से अपने को ढालने की क्षमता रखते हैं, वही जिंदा रहते हैं। ‘ब्रांड मोदी’ ऐसा ही है। उदाहरण के लिए 20 जुलाई के बाद जब ‘जेन-जी’ के भरने का दबाव बना, तो तुरंत मोदी अपनी रील बनाकर स्वयं इस्टाग्राम पर आकर जेन-जी पीढ़ी को संबोधित करते दिखे। ब्रांड मोदी ऐसा ही लचीला है। एक ने कहा कि उनमें अपनी रूढ़ छवि को छोड़ने की जिद है, इसीलिए वे दूसरों से अलग हैं।

बौद्धिकता का संकट- हम अपनी विरासत पर कब तक इठलाते रहेंगे?

ऐसा नहीं है कि उच्च पदों, पुरस्कारों, पुस्तकों और बड़े मंचों के जरिए प्रसिद्धि पाए नामों या टेलीविजन चैनलों पर अराजक भाषा शैली से लोकप्रियता हासिल करने वाले पात्रों की कमी है। मगर उनमें न साहित्य है, न समाजशास्त्र। हां, हंसाने-रुलाने, तालियां बटोरने और जानकारी को ‘भानुमति का कुनबा’ बनाकर परोसने की कला में वे जरूर निपुण हैं। जब-जब बौद्धिकता का प्रतिनिधित्व ऐसे लोगों द्वारा किया जाता है, समाज दिशाहीन महसूस करता है और मस्तिष्क अपनी बौद्धिक भूख मिटाने के लिए विकल्प तलाशता है। आज वही हो रहा है। भौतिकता और तकनीक सबसे नजदीक के मानसिक पड़ोसी बनते जा रहे हैं।

(राकेश सिन्हा)
साधारणतया यह अपेक्षा की जाती है कि अगली पीढ़ी अपने पहले की पीढ़ी से अधिक बौद्धिकता-संपन्न होगी। मगर परिस्थितियां इसके विपरीत है। भारत के कोने-कोने में बौद्धिक गतिविधियों के आयोजन की ललक देखी जा सकती है। कई ग्रामीण अंचलों में तो दो या तीन दिनों का वार्षिक व्याख्यान आयोजित होता है। यह लोगों की बौद्धिक रूचा का सूचक है। मगर इन आयोजनों को संसाधनों की कमी का संकेत नहीं, बल्कि उन्हें वकाओं की खोज में पसीना बहाना पड़ता है। ऐसा नहीं है कि उच्च पदों, पुरस्कारों, पुस्तकों और बड़े मंचों के जरिए प्रसिद्धि पाए नामों या टेलीविजन चैनलों पर अराजक भाषा शैली से लोकप्रियता हासिल करने वाले पात्रों की कमी है। मगर उनमें न साहित्य है, न समाजशास्त्र। हां, हंसाने-रुलाने, तालियां बटोरने और जानकारी को ‘भानुमति का कुनबा’ बनाकर परोसने की कला में वे जरूर निपुण हैं। जब-जब बौद्धिकता का प्रतिनिधित्व ऐसे लोगों द्वारा किया जाता है, समाज दिशाहीन महसूस करता है और मस्तिष्क अपनी बौद्धिक भूख मिटाने के लिए विकल्प तलाशता है। आज वही हो रहा है। भौतिकता और तकनीक सबसे नजदीक के मानसिक पड़ोसी बनते जा रहे हैं। ऐसा उस देश में हो रहा है, जहां सिद्धांतों और दर्शनों की सूची कभी पूर्ण रूप से तैयार नहीं की जा सकती है। पतंजलि, गौतम बुद्ध, बाणभट्ट और कालिदास समेत अनगिनत रचनाकार हैं। मगर पिछले पांच-छह दशकों से नेहरू और गोलवलकर के बीच स्वघोषित पैरोकार बनकर बौद्धिक वर्ग प्रतिस्पर्धा करता रहा है। ऐसा करने से न तो नेहरू का नुकसान हुआ और न ही गोलवलकर का। हां, बौद्धिकता का ह्रास जरूर हुआ। यह प्रवृत्ति नेहरूवादियों और वामपंथियों ने शुरू की। जी

भरकर गोलवलकर पर कीचड़ उछाला गया। स्वाभाविक है, प्रत्युत्तर के लायक नेहरू ही थे। इसने विश्वविद्यालय परिसरों एवं राजनीतिक गलियारों के बीच भाषा, भाव-भांगिमा और तर्क सहित सभी स्तरों पर अंतर समाप्त कर दिया। इसका एक और दुष्परिणाम हुआ- बुद्धिजीवियों में राजनीति के प्रति आकर्षण जरूरत से ज्यादा बढ़ गया। पहले भी



थोड़ा-बहुत था, पर जब बौद्धिकता से समझौते का प्रश्न उठा, तब बौद्धिकों ने राजनीति को त्याग दिया। माखन लाल चतुर्वेदी इसके उदाहरण हैं। स्वतंत्रता संग्राम में दर्जनों बार उनके घर पर साम्राज्यवादियों ने छापा डाला था। उन्होंने जेल से ‘पुष्प की अभिलाषा’ कविता लिखी। स्वतंत्रता के बाद वे मध्य प्रदेश में कांग्रेस में सक्रिय हुए। मगर उन्हें अपना का सामना करना पड़ा। आदर्श और यथार्थ के बीच के अंतर का प्रत्यक्ष अनुभव लेकर उन्होंने राजनीति को अलविदा कह दिया। आंचलिक पत्रकारिता के जनक फणीधरनाथ रेणु ने भी

यही किया। हमारे समाज में ऐसे उदाहरण भरे पड़े हैं। देश की राजनीति में एक अवसर आया, जब इसने श्रेष्ठता को गले लगाया। संविधान सभा महान विभूतियों की जुटान थी, चाहे गांधीवादी हों, समाजवादी हों या दक्षिणपंथी, सभी ज्ञान और अनुभवों का संगम थे। इसलिए विमर्श, संवाद, वाद-विवाद और पात्रता पर जब सवाल उठता है, तो सभी लोग संविधान सभा को ही याद करते हैं। यह राजनीति और बौद्धिकता का सुखद, मगर संक्षिप्त मांगलिक काल था।

पूरी दुनिया की सभ्यता इस बात की साक्षी है कि बौद्धिकता का ह्रास उसे संकीर्णताओं, हिंसात्मक प्रवृत्तियों, अराजक जीवन शैलियों और तर्कहीनता की ओर ले जाता है। साहित्य और समाजशास्त्र ही उसे इस सब से बचाता है। इसका कितना महत्त्व है, इसे इस उदाहरण से समझा जा सकता है- राजा पेप्सी (प्रदेशी) अधर्म का प्रयाक था। उसके विवेक और आचरण में धर्म का स्थान नहीं था। जैन धर्म के संस्थापक पार्श्वनाथ की परंपरा में केशरी कुमार श्रमण ने राजा से संवाद किया। वे आध्यात्मिक ज्ञान और चिंतन आधारित स्वाध्याय से लबाबल थे। पेप्सी आत्मा के अस्तित्व को नकारता था और भौतिकवाद को अंतिम सत्य मानता था। उसने आत्मा के अस्तित्व को जानने के लिए वह प्रयोग कर रखा था, जो आज के समय में डंकन मैकडॉगल ने किया है। उदाहरण के तौर पर प्राणदंड से पूर्व और बाद में चोर का वजन लिया और उसमें

कोई अंतर नहीं था। एक चोर को लोहकुंभी में बंद कर शीशे से ढक दिया। मृत्यु के बाद उसमें कोई छेद नहीं दिखा, जहां से आत्मा के बाहर निकलने की पुष्टि हो सके। मगर कुमार श्रमण उस राजा को धर्म की राह पर लाने में सफल रहे। साधारणतया यह अपेक्षा की जाती है कि अगली पीढ़ी अपने पहले की पीढ़ी से अधिक बौद्धिकता-संपन्न होगी। मगर परिस्थितियां इसके विपरीत हैं। विचार में परिवर्तन के लिए सैकड़ों पुस्तकों, विविध प्रकार के संवादों और रचनात्मक विमर्शों की आवश्यकता होती है। भौतिकता की आटट बीसवीं सदी के मध्य में सुनाई पड़ने लगी थी। तब भारत के बुद्धिजीवी पीढ़ियों के लिए बौद्धिक ऊर्जा लगाने लगे। 1924 में दक्षिणा रंजन शास्त्री की ‘भारतीय भौतिकवाद पर चर्चाक दृष्टि’ 1940 में गायकवाड़ ओरिएंटल म्यूजलम पर चर्चाक दृष्टि ने तत्वोपलवसिंह नामक दार्शनिक ग्रंथ की रचना की, जो नास्तिकवाद के एकपक्षीय दर्शन पर था। देवी प्रसाद चट्टोपाध्याय ने ‘लोकायत दर्शन’ (1956) लिखा।

जब नवउदारवाद असामाजिकता, धन पशुता, कामाचार और अराजक जीवन शैली की ओर दुनिया को ले जा रहा है, तब भी बौद्धिक वर्ग ‘नेहरू-गोलवलकर’ के बीच ही शतरंज खेलने में लगा है। समुदाय और परिवार पर घोर भौतिकवाद तथा व्यक्तिवादी संस्कृति के प्रहार का असर दिखने लगा है। मगर पूरी दुनिया का बौद्धिक समाज अधोषित रूप से ‘नीतिमूलक संप्रदाय’ का हिस्सा बना हुआ है। यह संप्रदाय किसी सिद्धांत को प्रतिष्ठा नहीं होने देता है। सिर्फ चलती-फिरती भाषा में एक-दूसरे पर प्रहार करता है। न्याय दर्शन में संवाद के तीन प्रकार हैं- वाद, जल्प और चिंतन। सबसे हीन स्तर का चिंतनवाद है। इसमें अपना कोई सिद्धांत नहीं होता है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की गहन समीक्षा की

कवर्धा। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बेमेतरा प्रवास के दौरान न्यू सर्किट हाउस सभाकक्ष में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में निर्धारित गतिविधियों और कार्यक्रमों के नोडल अधिकारियों ने सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में प्रस्तावित समस्त गतिविधियों एवं अब तक की तैयारियों का पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत व्यंजक प्रस्तुत किया। शासन-प्रशासन को जनता के प्रति और अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और सेवाभावी बनाने का संकल्प है। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उप मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप सेवा संकल्प अभियान केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह शासन-प्रशासन को जनता के प्रति और अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और सेवाभावी बनाने का संकल्प है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि इस अभियान में सभी विभागों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए और



निर्धारित सभी गतिविधियों को सर्वोच्च प्राथमिकता से सफल बनाया जाए। सेवा ज्योति कलश यात्रा चारों विकासखंडों में निकलेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के चारों विकासखंडों - बेमेतरा, बेरला, नवागढ़ और साजा में सेवा ज्योति कलश यात्रा का आयोजन किया जाए। यह कलश यात्रा प्रत्येक ग्राम पंचायत से होते हुए सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण का संदेश लेकर जाएगी। यात्रा के दौरान स्वच्छता, जनसेवा और सुशासन की अलख जगाई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को यात्रा के रूट चार्ट, सुरक्षा एवं जनभागीदारी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। कलश

यात्रा का सफल समापन जिला मुख्यालय में हो और एक सभा का आयोजन कर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देश के नाम संबोधन को सुनने की व्यवस्था किया जाए। सेवा का रंग, राष्ट्र के संग - रंगोली में दिखेगी सेवा की झलक-बैठक में साव ने सेवा का रंग, राष्ट्र के संगीम पर आयोजित होने वाले विशेष रंगोली कार्यक्रम की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी नगरीय निकायों, जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों में आकर्षक एवं संदेशपरक रंगोली बनाई जाए, जिसमें सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों की झलक दिखे। इस कार्यक्रम में महिला स्व-

सहायता समूहों, स्कूली छात्राओं एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की विशेष भागीदारी हो, ताकि कला के माध्यम से सेवा का संदेश घर-घर तक पहुंचे। आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी पर जोर-महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए उप मुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देशित किया कि आंगनवाड़ी केंद्रों में आयोजित होने वाले आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम को उत्सव के रूप में मनाया जाए। इसमें गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओं, किशोरी बालिकाओं की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। इस दौरान स्वास्थ्य जांच, पोषण परामर्श एवं शासन की योजनाओं की जानकारी दी जाए। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल अनिवार्य-उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि शालाओं में केवल कितानी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है। बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास के लिए खेल गतिविधियों को नियमित रूप से शामिल किया जाए।

सुकमा में बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री साय

सुकमा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एकदिवसीय प्रवास पर बाढ़ प्रभावित सुकमा जिले पहुंचे। विगत 23 और 24 सितंबर को हुई भारी बारिश से प्रभावित वार्ड शबरीनगर, श्रीनगर और लाइनपारा का दौरा कर उन्होंने पीड़ितों से सीधा संवाद साधा। मुख्यमंत्री ने संकट की इस घड़ी में हर संभव मदद का भरोसा दिलाते हुए कहा कि पूरी सरकार और प्रशासन पीड़ितों के साथ मजबूती से खड़ा है। बाढ़ आपदा से जिला मुख्यालय सुकमा के वार्ड क्रमांक 12 और 13 समेत जिले के 22 ग्राम पंचायतों के 4,500 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। जिले में कोंटा और सुकमा विकासखंड में रहत लगभग 19 रहत शिविर बनाए गए थे जिसमें लगभग 2000 से अधिक लोगों के लिए भोजन व्यवस्था की गई थी। स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर रहत व बचाव अभियान संचालित किया जा रहा है। पीड़ितों को तात्कालिक आर्थिक सहायता के साथ सूखा राशन और गर्म कपड़े वितरित किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य सुखा के मद्देनजर मेडिकल कैंपों में नियमित जांच जारी है और जलजनित



बीमारियों की रोकथाम के लिए पेयजल स्रोतों का क्लोरोनेशन व नालियों में क्लोचिंग का छिड़काव कराया जा रहा है। शबरीनगर में बने रहत और स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण करते हुए मुख्यमंत्री ने वहां लगाए गए स्टालों का जायजा लिया और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री का मानवीय और आत्मीय रूप भी नजर आया, जब उन्होंने स्वयं रहत शिविर में रह रहे हितग्राहियों को भोजन परोसा। मुख्यमंत्री के इस अपनेपन से प्रभावित परिवारों को संबल मिला। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री बाढ़ पीड़ितों के घर भी पहुंचे और उनका हालचाल जाना। प्रभावितों की समस्याएं सुनने के बाद उन्होंने मौके पर ही तात्कालिक सहायता प्रदान की। साथ ही कलेक्टर अमित कुमार को सभी

नुकसान का त्वरित आकलन करने के कड़े निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने विशेष राहत के तौर पर घोषणा की कि सभी प्रकरणों में निर्धारित क्षतिपूर्ति राशि के अलावा अतिरिक्त सहायता राशि देने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, सचिव राहुल भगत, ओएसडी सौरभ श्रीवास्तव, कलेक्टर अमित कुमार, डीएफओ अश्वय भोसले, एडिशनल एसपी रोहित शाह, मनोज तिवारी, महिला आयोग सदस्य दीपिका सोरी, नगर पालिका अध्यक्ष हंगाराम मरकाम, जनपद अध्यक्ष कोंटा कुसुमलता कोवासी, नगरपालिका उपाध्यक्ष भुनेश्वरी यादव, धनीराम बारसे, जिला पंचायत सदस्य हंगाराम मरकाम, जिला पंचायत सदस्य कोरसा सन्नू सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से कुमकुम को मिली आत्मनिर्भरता की राह

कोण्डगांव। राज्य शासन द्वारा श्रमिक परिवारों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। श्रम विभाग के माध्यम से पंजीकृत श्रमिकों एवं उनके परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इसी क्रम में संकल्प सेवा अभियान अंतर्गत आयोजित 'सेवा मेरा योगदान' शिविर में कोण्डगांव के सरणीपाल पारा निवासी श्रमिक ममता साहू की पुत्री कुमकुम को मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। श्रम विभाग में पंजीयन के कारण कुमकुम को योजना का लाभ मिला। यह आर्थिक सहायता उनकी कौशल विकास, रोजगार अथवा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने में सहायक होगी। मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की पहली दो अविवाहित बेटियों को शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार या विवाह के लिए 20 हजार रुपए की एकमुश्त सहायता प्रदान



की जाती है। राशि लाभार्थी के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से अंतरित की जाती है। योजना का लाभ लेने के लिए श्रमिक का छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में कम से कम तीन वर्ष पूर्व पंजीयन तथा पुत्री की आयु 18 से 21 वर्ष और न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। कुमकुम ने योजना अंतर्गत मिली आर्थिक सहायता के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि श्रमिक परिवारों की बेटियों को आर्थिक सहयोग देकर उन्हें शिक्षा, कौशल और आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ने का अवसर दिया जा रहा है।

नगर पालिका आरक्षण की अंतिम सूची जारी अध्यक्ष पद हुआ मुक्त चुनावी सरगमीं तेज

भटगांव। नगर पालिका परिषद सारंगढ़ के आगामी चुनावों को लेकर सबसे बड़ा अपडेट सामने आया है। वार्डवार आरक्षण की अंतिम सूची जारी कर दी गई है। कलेक्टर सभा कक्ष में कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अधिकारियों, नगर के जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों के नेताओं की मौजूदगी में आरक्षण की प्रक्रिया पूरी की गई जानकारी के अनुसार यह सरगमीं आरक्षण प्रक्रिया शासन के नियमानुसार चक्रानुक्रम (रोटेशन) प्रणाली के तहत संपन्न कराई गई है। इसमें महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। प्रशासन ने वार्ड क्रमांक 1 से लेकर 15 तक के सभी वार्डों का आरक्षण तय कर अंतिम प्रकाशन कर दिया है। इस बार के आरक्षण में सबसे बड़ा बदलाव अध्यक्ष पद को लेकर हुआ है। पहले अध्यक्ष पद अनुसूचित जाति महिला वर्ग के लिए आरक्षित था, लेकिन नई सूची में अध्यक्ष पद को मुक्त कर दिया गया है। अध्यक्ष पद के मुक्त होते ही नगर की राजनीति में हलचल तेज हो



गई है। अब इस पद पर सामान्य, ओबीसी, एससी, एसटी सभी वर्ग के उम्मीदवार चुनाव लड़ सकेंगे। आरक्षण सूची जारी होते ही चुनावी सरगमियां तेज हो गई हैं। कई वार्डों में आरक्षण बदलने से दिग्विजय के समीकरण बिगड़ गए हैं। जो नेता पिछले कई महीनों से अपने वार्ड में तैयारी कर रहे थे, उनका वार्ड आरक्षित होने के कारण उन्हें दूसरे वार्ड की तलाश करने पड़ रही है। वहीं कई वार्डों में आरक्षण खुलने से नए चेहरों के लिए रास्ते खुल गए हैं। युवाओं और महिला उम्मीदवारों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार आरक्षण सूची जारी होने के बाद से ही दोनों प्रमुख दलों में टिकट के लिए दबावही तेज हो गई है। कई संभावित उम्मीदवार अपने-अपने समर्थकों के साथ नेताओं से संपर्क में जुट गए हैं। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि आरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब जल्द ही चुनाव की अधिसूचना जारी हो सकती है।

किरंदुल को 3-1 से हराकर नगरनार बना एनएमडीसी अंतर परियोजना फुटबॉल का चैंपियन उमेश बघेल बने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट



किरंदुल। बैलाडीला लौह अयस्क परियोजना किरंदुल कॉम्प्लेक्स द्वारा आयोजित एनएमडीसी अंतर परियोजना फुटबॉल टूर्नामेंट-2026 का रविवार शाम रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ समापन हुआ। किरंदुल फुटबॉल ग्राउंड में खेले गए खिताबी मुकाबले में नगरनार ने मेजबान किरंदुल कॉम्प्लेक्स को 3-1 से हराकर चमचमाती ट्रॉफी अपने नाम कर ली। टूर्नामेंट का उद्घाटन किरंदुल कॉम्प्लेक्स के

अध्यक्षों ने किया था। तीन दिवसीय टूर्नामेंट में एनएमडीसी की चार टीमों - किरंदुल, बवेली, नगरनार और दोंगिमलै ने भाग लिया। समापन अवसर पर स्थानीय प्रतिभाओं को बेहतर अवसर मिल रहे हैं। टूर्नामेंट में नगरनार फुटबॉल टीम के खिलाड़ी उमेश बघेल को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। पूरे टूर्नामेंट में उमेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में अहम

भूमिका निभाई। पुरस्कार वितरण के दौरान परियोजना प्रमुख रवींद्र नारायण, सीजीएम व स्पोर्ट्स एक्वाइजरी कमेटी के अध्यक्ष जे.सी. दास, डीजीएम मोहम्मद तनवीर जावेद समेत एसकेएमएस के अध्यक्ष नोमेश्वर राव, सचिव प्रदीप नामदेव, इंटक सचिव ए.के. सिंह, एससी-एसटी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बी.एल. तारम, जिला हसन और स्पोर्ट्स एक्वाइजरी कमेटी के सभी सदस्य मौजूद थे।

वोट चोरी के आरोपों पर कांग्रेस का हल्लाबोल नारायणपुर में जोरदार प्रदर्शन

कलेक्टर कार्यालय तक मार्च को पुलिस ने हाई स्कूल मैदान में रोका, जय स्तम्भ चौक पर ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन

नारायणपुर। चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी और 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी नारायणपुर के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने कलेक्टर कार्यालय तक मार्च निकालते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए जय स्तम्भ चौक में पुतला जलाया गया। मार्च के दौरान पुलिस प्रशासन ने भारी बल तैनात कर हाई स्कूल मैदान में ही प्रदर्शनकारियों को रोक दिया और उन्हें आगे जाने की अनुमति नहीं दी। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार कथित वोट चोरी के जरिए सत्ता में काबिज रहना चाहती है। इंडियन एक्सप्रेस की हालिया रिपोर्ट में चुनाव आयोग के भीतर दर्ज अपराधों को लेकर सामने आई जानकारी का हवाला देते हुए कांग्रेस नेताओं ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर संशय उठाए और निष्पक्ष जांच की मांग की। मार्च के बाद जय स्तम्भ चौक पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला



दहन किया गया। पुतला दहन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चारों ओर घेरा बना लिया, जिसके चलते पुलिस पुतले को बुझा नहीं सकी और वह पूरी तरह जल गया। इस दौरान कार्यकर्ता भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लगातार नारेबाजी करते रहे। कांग्रेस ने कहा कि लोकतंत्र में

जनता के वोट की सुरक्षा सर्वोपरि है और चुनावी पारदर्शिता पर उठ रहे सवाल का जवाब देना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। हालिया राष्ट्रीय विवाद में कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग की है इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश दीवान, पीसीसी महासचिव राजनू

नेताम, पीसीसी सचिव देवनाथ उसेंडी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष शिव कुमार पांडे जिला कोषाध्यक्ष वी पी शुक्ला, शहर कांग्रेस अध्यक्ष रघु मारिकपुरी, ब्लॉक अध्यक्ष पंडीराम वड्डे, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष बिसेल नाग, संगठन महामंत्री संजय राय प्रसादिक महासचिव शेख तौहीद, शहर कांग्रेस प्रभारी रवि देवांगन, कांग्रेस प्रवक्ता अमित भद्र, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रमोद आदिवासी कांग्रेस प्रकोष्ठ अध्यक्ष मैनू कुम्रेटी, जिला कांग्रेस पिछड़ एवं प्रकोष्ठ अध्यक्ष माधेश्वर जैन, महिला कांग्रेस अध्यक्ष वेदवती पात्र, शैलाल कश्यप, ब्लॉक प्रभारी नन्दलाल जायसवाल, डोंगर ब्लॉक प्रभारी गजपाटेल, कोहकामेटा ब्लॉक प्रभारी संतोष राव, कांग्रेसी सुब्रह्म, सतु पोटाई, युथ कांग्रेस प्रदेश सचिव सोनिका पोर्ते, एनएसयूआई प्रदेश सचिव एवं पार्षद जय वड्डे एनएसयूआई जिला अध्यक्ष एवं पार्षद विजय सलाम, जिला महासचिव राजू देहारी, एवं समस्त कांग्रेस पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष सेक्टर प्रभारी, युथ प्रभारी एवं समस्त कांग्रेस प्रकोष्ठ अध्यक्ष एवं पदाधिकारी कार्यकर्ता सैकड़ों की संख्या में उपस्थित रहे।

स्थानांतरण पर एसडीएम जागेश्वर कौशल को दी गई विदाई

बीजापुर। स्थानांतरण के पश्चात एसडीएम करेंगे। विदाई समारोह के दौरान जागेश्वर कौशल को जिला प्रशासन की ओर से आत्मीय विदाई दी गई। इस अवसर पर कलेक्टर विश्वदीप ने उनके कार्यकाल के दौरान जिले के विकास एवं प्रशासनिक कार्यों में दिए गए योगदान को सराहना करते हुए उन्हें नवीन दायित्व के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

कलेक्टर विश्वदीप ने कहा कि कौशल ने अपने कार्यकाल के दौरान प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ किया। जिले में विकास कार्यों के क्रियान्वयन, जनहित से जुड़े विषयों तथा प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावी बनाने में उनका योगदान सराहनीय रहा। उन्होंने कौशल के कार्यों की प्रशंसा करते हुए आशा व्यक्त की कि वे अपने नए पदस्थाना स्तल पर भी इसी प्रतिबद्धता और कार्यकुशलता के साथ दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा नई उपलब्धियां हासिल

अधिकारियों ने जागेश्वर कौशल के साथ कार्य करने के अनुभव साझा किए और उनके सहयोगपूर्ण व्यवहार, कार्यशैली एवं समर्पण को याद किया। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य और आगामी दायित्वों के सफल निर्वहन की कामना की। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर उत्तम पंचारी, डिप्टी कलेक्टर दिलीप उड्डे, मुकेश देवांगन, जिला कोषालय अधिकारी महावीर प्रसाद टंडन सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। समारोह आत्मीयता एवं सम्मान के वातावरण में संपन्न हुआ।



संक्षिप्त समाचार

विकसित ग्राम पंचायत प्लान तैयार करने जिला स्तरीय प्रशिक्षण

बिलासपुर। विकसित भारत-जी राम जी (वीबी जीरामजी) के तहत जिले में विकसित ग्राम पंचायत प्लान तैयार करने एवं इसके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में भू-जल स्तर में वृद्धि एवं सुधार के लिए धार अपार, साथ ही ईएमबी एवं सिस्कोर के संबंध में भी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में कार्यपालन अभियंता (ग्र.यां.सेवा), अनुविभागीय अधिकारी (ग्र.यां.सेवा), कार्यक्रम अधिकारी (वीबी जीरामजी), तकनीकी समन्वयक, असिस्टेंट प्रोग्रामर, तकनीकी सहायक एवं अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान अनुराधा शुक्ला, सहायक परियोजना अधिकारी (वीबी जीरामजी), जिला पंचायत बिलासपुर एवं राज्य स्तर से श्री विभाष चौबे ने संयुक्त रूप से वीजीपीपी की अवधारणा, ग्राम पंचायत स्तर पर योजना तैयार करने की प्रक्रिया तथा स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्यों के चयन की जानकारी दी। विभिन्न विभागीय योजनाओं के अभिसरण, वाटर बजट तथा योजना से संबंधित तकनीकी एवं ऑनलाइन प्रक्रियाओं के संबंध में भी विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया गया। जल संरक्षण एवं संवर्धन तथा भू-जल स्तर बढ़ाने के उपायों के साथ धार अपार, इएमबी एवं सिस्कोर के संबंध में भी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले की क्षमता का संवर्धन करते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर वीजीपीपी का प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निर्माण तथा क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है।

वीबी-जी राम जी योजना के तहत 486 ग्राम पंचायतों में बनेगी विकसित ग्राम पंचायत योजना

बिलासपुर। जिले की 486 ग्राम पंचायतों में 2 अक्टूबर से आयोजित होने वाली ग्रामसभाओं के माध्यम से विकसित ग्राम पंचायत योजना तैयार करने की प्रक्रिया शुरू होगी। वीबी-जी राम जी योजना के तहत तैयार की जाने वाली इस योजना में ग्रामीण अपने गांव की जरूरतों, समस्याओं और विकास की प्राथमिकताएं तय करने में भागीदारी करेंगे। ग्रामीणों से प्राप्त सुझावों, स्थानीय संसाधनों और क्षेत्र की आवश्यकताओं के आधार पर आगामी विकास कार्यों की योजना तैयार की जाएगी। योजना निर्माण की प्रक्रिया में ग्रामीणों को पंचायत से संबंधित आधारभूत आंकड़ों, मानचित्र और योजना तैयार करने की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। अक्टूबर और नवंबर में बस्ती एवं वाई स्तर पर बैठकें आयोजित कर सुझाव लिए जाएंगे। दिसंबर में भूमि एवं क्षेत्र परिचय के आधार पर तैयार विकसित ग्राम पंचायत योजना का प्रारूप ग्रामसभा के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। ग्रामसभा से अनुमोदन के बाद योजनाओं को विकासखंड एवं जिला स्तर पर समेकित किया जाएगा। योजनाओं का समेकन 15 जनवरी तक पूरा किया जाएगा।

सेवा संकल्प अभियान आंगन मिलन सेवा में स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का दिया संदेश

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मस्तुरी ब्लॉक के ग्राम मनिकचौरी में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समुदाय के लोगों को स्वस्थ हृदय के लिए आवश्यक सावधानियों, संतुलित जीवनशैली और हृदय रोगों से बचाव के उपायों के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा एवं जागरूकता प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान लोगों को बताया गया कि स्वस्थ हृदय के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार का सेवन, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त आराम और तनाव से बचाव बेहद जरूरी है। साथ ही समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने तथा स्मॉर में दिखाई देने वाले किसी भी असामान्य लक्षण को नजरअंदाज नहीं करने के लिए प्रेरित किया गया। स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में लोगों को दैनिक जीवन में स्वस्थ आदतों को अपनाने, खान-पान में सावधानी बताने और शारीरिक रूप से सक्रिय रहने का संदेश दिया गया। हृदय रोगों से बचाव के लिए जीवनशैली में छोटे-छोटे सकारात्मक बदलावों के महत्व को समझते हुए समुदाय के लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। आंगन मिलन सेवा के माध्यम से ग्रामीण समुदाय तक स्वास्थ्य संबंधी जरूरी जानकारी पहुंचाने और लोगों में स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया।

रेडक्रॉस अध्यक्ष श्री तोमन साहू ने सेवा कार्यों को जनभागीदारी से जोड़ने पर दिया जोर.....

बिलासपुर। राज्य चेयरमेन एवं रेडक्रॉस अध्यक्ष श्री तोमन साहू की अध्यक्षता में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा बिलासपुर की समीक्षा बैठक जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में रेडक्रॉस की सेवा गतिविधियों को और प्रभावी बनाने, जनभागीदारी बढ़ाने तथा युवाओं को सेवा कार्यों से जोड़ने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जूनियर रेडक्रॉस एवं यूथ रेडक्रॉस को मजबूत करने, सदस्यता अभियान को गति देने तथा रकदान एवं अंगदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने पर चर्चा हुई। सिकल

सेल, टीबी एवं मलेरिया नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय से कार्य करने पर भी जोर दिया गया। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जा रहे रक्तदान शिविरों की जानकारी दी गई। इन शिविरों में रक्तदान के साथ शुगर, बीपी, हिमोग्लोबिन एवं सिकल सेल की निःशुल्क जांच भी की जा रही है। शिक्षा विभाग के सहयोग से जिला स्तरीय ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। बैठक में नशा मुक्ति अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने का निर्णय लिया गया। सामाजिक संस्थाओं एवं यूथ रेडक्रॉस के युवाओं को जोड़कर नुकड़ नाटक, वीडियो क्लिप एवं अन्य माध्यमों से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। विनीता पटेल, संस्थापक, बस्ता एनुकेशन एंड हेल्थ



फंडेशन ने प्रोजेक्ट आरुग के तहत एसईसीएल से सीएसआर मद में प्राप्त 48.96 लाख रुपये की राशि से बिल्हा विकासखंड के 114 हाई स्कूल एवं कुछ मिडिल स्कूलों में रेडक्रॉस के सहयोग से पीरियड्स को लेकर संचालित किए जाने वाले जागरूकता अभियान की विस्तृत

जानकारी दी। बैठक में रेडक्रॉस कार्यालय के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय परिसर में स्थल का चयन किए जाने की जानकारी दी गई। साथ ही भविष्य में ब्लड स्टोरेज सेंटर की स्थापना, अंगदान हेतु जिला स्तरीय समिति के गठन तथा युवाओं को युवोदय रेडक्रॉस मितान

योजना से जोड़ने पर भी चर्चा हुई। बैठक में डीईओ श्री संदीप पांडेय, वाइस चेयरमेन श्री बालाराम साहू एवं सदस्य राज्य शाखा श्री केशव साहू, चेयरमेन प्रबंध समिति डॉ. बी.एल. गोयल, कोषाध्यक्ष श्री अमरजीत सिंह दुआ, राज्य प्रतिनिधि श्री ब्रजेन्द्र शुक्ला, सदस्य प्रबंध समिति डॉ. राजीव अवस्थी, श्री सुरेन्द्र गुप्तर एवं श्री श्रीकांत सहारे, सचिव रेडक्रॉस डॉ. शुभा गरेवाल, नोडल अधिकारी डॉ. एम.ए. जीवानी, जिला समन्वयक श्री सौरभ सक्सेना, सहायक जिला अधिकारी श्री आदित्य पांडेय, श्री लक्ष्मीनारायण मिश्रा, श्री मनीष मिश्रा, श्री सुशील राजपूत प्रबंधक रेडक्रॉस मेडिकल शॉप, विनीता पटेल, श्रीमती गीतेश्वरी चंद्रा, अनू पटेल, यश शर्मा, पूजा कैवर्त, प्रीति चंद्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, चिकित्सक, ब्लड बैंक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने दिए निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी एवं अपर कलेक्टर श्री वीरेंद्र बहादुर पंचभाई ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। जनदर्शन में मस्तुरी तहसील के ग्राम गतौरा निवासी गनेश राम कोसले ने ज्ञान सौंपकर बंद किसान सम्मान निधि की राशि पुनः शुरू कराने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि पूर्व में उन्हें किसान सम्मान निधि की राशि प्राप्त हो रही थी, लेकिन वर्तमान में सहायता राशि बंद हो गई है। राशि बंद होने के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी प्रकार सरकंडा के नथूलाल ने भी



विगत चार-माह से बंद वृद्धा पेंशन राशि के संबंध में कलेक्टर से मुलाकात की। ग्राम लिमतरा निवासी पार्वती पटेल ने बताया कि उनकी भूमि का कुछ हिस्सा सड़क निर्माण के लिए लिया गया है, जिसके मुआवजे की राशि अभी तक लांबित है। उन्होंने अधिग्रहित भूमि की लांबित मुआवजा राशि दिलाने की मांग

की। बेलतरा तहसील के ग्राम परसदा के कमलजीत सिंह ने वन विभाग की शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे और पेड़ों की कटाई की शिकायत की है। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों द्वारा 20 फीट गहराई तक अवैध रूप से मिट्टी का खनन कर उसे बेचा गया है। उन्होंने दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। तखतपुर

जल जीवन मिशन से उनी गांव में पहुंचा हर घर नल से शुद्ध पेयजल

जिला अस्पताल में मेरा स्वास्थ्य मेरा गर्व कार्यक्रम का आयोजन

■ पानी के लिए हैंडपंप पर निर्भरता से मिली राहत, समय और श्रम की हुई बचत

बिलासपुर। जल जीवन मिशन के तहत मस्तुरी विकासखंड के ग्राम पंचायत उनी में घर-घर नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध होने से ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। योजना के लागू होने से ग्रामीण परिवारों को अब पेयजल के लिए हैंडपंप पर निर्भर नहीं रहना पड़ता और उन्हें घर पर ही पानी उपलब्ध हो रहा है। ग्राम उनी में लगभग 331 घर हैं और यहां तक कुल आबादी 1,483 है। जल जीवन मिशन के तहत गांव में 55 एलपीसीडी पानी पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।



योजना से ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिलने के साथ ही पानी लाने में लगने वाला समय और श्रम भी बच रहा है। योजना के पहले ग्रामीण परिवारों को पेयजल के लिए मुख्य रूप से हैंडपंप पर निर्भर रहना पड़ता था। घर से दूर जाकर पानी लाने में काफी समय व्यतीत होता था। जल जीवन मिशन के तहत घरों तक नल से पानी पहुंचने के बाद ग्रामीणों को इस परेशानी से राहत मिली है। विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के लिए यह सुविधा उपयोगी साबित हो

रही है। ग्रामीणों का कहना है कि घर पर ही शुद्ध पेयजल उपलब्ध होने से दैनिक जीवन आसान हुआ है। पानी लाने में बचने वाले समय का उपयोग अब परिवार के अन्य जरूरी कार्यों, बच्चों की पढ़ाई और आजीविका संबंधी गतिविधियों में किया जा सकता है। ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन के माध्यम से गांव में पेयजल सुविधा पहुंचाने के लिए पीएचई विभाग, राज्य सरकार, केंद्र सरकार एवं योजना से जुड़े सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

एशियाई चैंपियन बेटियों का कलेक्टर ने किया सम्मान

■ संजू देवी और मधु सिदार ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया छत्तीसगढ़ का मान

■ कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा बिलासपुर सहित पूरे प्रदेश के लिए गौरव का पल

बिलासपुर। अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर स्वर्णम सफलता हासिल कर बिलासपुर लौटें महिला खिलाड़ियों संजू देवी और मधु सिदार का कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज अपने कार्यालय में सम्मान किया। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों का गुलदस्ता भेंटकर आत्मीय स्वागत किया और शानदार उपलब्धि के लिए बधाई एवं उवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। संजू देवी जापान में आयोजित 20वीं एशियाई महिला कबड्डी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य रही हैं। वहीं मधु सिदार ने चीन में आयोजित जूनियर एशिया हॉकी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल कर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। दोनों खिलाड़ी



बहतराई स्थित खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में प्रशिक्षणरत हैं। स्वर्णम उपलब्धि हासिल करने के बाद दोनों का यह पहला बिलासपुर आगमन था। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतना बिलासपुर सहित पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। इन खिलाड़ियों की उपलब्धि जिले के अन्य युवा खिलाड़ियों को भी बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी। इस

अवसर पर संजू देवी ने कहा, देश के लिए खेलना और स्वर्ण पदक जीतना मेरे लिए बेहद गर्व का क्षण है। बिलासपुर लौटने पर मिले सम्मान और प्रोत्साहन से आगे और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली है। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल, उप संचालक खेल विभाग श्री ए. एक्का सहित खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक उपस्थित थे।

सेवा संकल्प अभियान : ग्रामीणों ने निकाली जल संरक्षण जागरूकता रैली

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले के मस्तुरी विकासखंड के ग्राम करी में जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) एवं पंचायत विभाग के संयुक्त समन्वय से आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को जल स्रोतों के संरक्षण, जल के समुचित उपयोग तथा वर्षा जल के संरक्षण के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों से जल संरक्षण को लेकर संवाद किया गया। जल स्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने तथा जल संरक्षण के कार्यों में सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

जिला अस्पताल में मेरा स्वास्थ्य मेरा गर्व कार्यक्रम का आयोजन



बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान एवं नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला अस्पताल, बिलासपुर में माय हेल्थ माय प्राइड-मेरा स्वास्थ्य, मेरा गर्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में माय भारत के डिप्टी डायरेक्टर श्री नितिन शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। सीएमएचओ डॉ. शुभा गढ़ेवाल एवं सिविल सर्जन डॉ. एस. कुजूर सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने मेरा स्वास्थ्य, मेरा गर्व का संदेश देते हुए नशे से दूर रहने तथा समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने की अपील की। प्रतिभागियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। साथ ही स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में सी.एम.डुबे पीजी कॉलेज के प्रोग्राम ऑफिसर श्री रोहित लहरे एवं माय भारत एनएसएस एम्बेस्डरक श्री लोकेश ओगरे सहित जितेंद्र, तनु, पुष्पा,

लवली, सिमरन, निशा, प्राची, कृष् लहरे, अजय, खगेश, राम, कृष्णा, विनीत एवं विपिन ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को शिक्षा, खेल, सामाजिक सेवा एवं अन्य सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने तथा नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने का संदेश दिया गया।

ई-रिक्शा ने बदली कल्याणी की जिंदगी, कमा रहीं 15 से 20 हजार रुपए हर माह



शासन की योजनाओं से महिलाएं हो रही आत्मनिर्भर

बिलासपुर। कभी रोजी-मजदूरी कर परिवार का भरण-

पोषण करने वाली मगरपारा निवासी कल्याणी कैवर्त आज ई-रिक्शा के जरिए आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं। श्रम विभाग की "दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना" ने उनके जीवन में नई उम्मीद और आत्मनिर्भरता का रास्ता खोला है। कल्याणी पहले रोजी-मजदूरी का काम करती थीं। मेहनत करने के बावजूद उन्हें प्रतिमाह लगभग 7 से 8 हजार रुपए की ही आय हो पाती थी। सीमित आमदनी में परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। परिवार की जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभाने और आय का स्थायी साधन विकसित करने की इच्छा उनके मन में थी। इसी दौरान श्रम विभाग की दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना उनके लिए मददगार बनी। योजना के अंतर्गत उन्हें 1 लाख 50 हजार रुपए की सहायता राशि प्राप्त

हुई। इस राशि से उन्होंने ई-रिक्शा खरीदा और स्वयं रोजगार से जुड़ गईं। ई-रिक्शा चलाकर अब वे प्रतिमाह लगभग 15 से 20 हजार रुपए तक की आय अर्जित कर रही हैं। इससे न केवल उनकी आमदनी में वृद्धि हुई है, बल्कि परिवार का आर्थिक स्थिति में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। कल्याणी बताती हैं कि पहले परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें रोजी-मजदूरी पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब उनके पास स्वयं का रोजगार है। नियमित आय होने से वे अपने परिवार का पालन-पोषण पहले की तुलना में बेहतर ढंग से कर पा रही हैं। ई-रिक्शा उनके लिए केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का माध्यम भी बन गया है। कल्याणी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं के लिए संचालित योजनाएं उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दे रही हैं। ऐसी योजनाओं से महिलाएं स्वयं का रोजगार शुरू कर आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही हैं।

पितृपक्ष में क्या-क्या वर्जित है?

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष 16 दिनों की वह विशेष अवधि है, जिसमें लोग अपने दिवंगत पूर्वजों के प्रति आदर, श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। पितृपक्ष के दौरान नए कार्य, खरीदारी, और तामसिक भोजन करना वर्जित माना जाता है। यह आमतौर पर भाद्रपद पूर्णिमा (या आश्विन प्रतिपदा) से शुरू होकर आश्विन अमावस्या (सर्व पितृ अमावस्या) तक चलता है। इन दिनों में पूर्वजों की आत्मा की शान्ति के लिए विधि-विधान से श्राद्ध, तर्पण (जल अर्पित करना) और पिंडदान किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इन 16 दिनों में पूर्वज सुख रूप में पृथ्वी पर अपने परिजनो के पास आते हैं। इस दौरान गरीबों को भोजन व वस्त्र दान करने के साथ-साथ गाय, कोबे और कुत्तों को भी भोजन कराया जाता है। पितृ पक्ष के आखिरी दिन यानी अमावस्या पर उन सभी पितरों का श्राद्ध किया जाता है जिनकी तिथि याद नहीं होती है।

मांगलिक कार्य और खरीदारी
शुभ कार्य: इस दौरान विवाह, स्गाई, गृह प्रवेश और भुंडन जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं।
नई वस्तुएं: नए कपड़े, सोने-चांदी के आभूषण, वाहन, जमीन, या मकान नहीं खरीदना चाहिए।
लोहे के बर्तन: पूजा या तर्पण के लिए लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल वर्जित माना गया है।



खान-पान से जुड़े नियम

तामसिक भोजन: मांस, मदिरा, अंडा, लहसुन, और प्याज का सेवन पूरी तरह वर्जित है।
दालें और सब्जियां: मसूर की दाल, चना दाल, और उड़द दाल से परहेज करना चाहिए। जमीन के अंदर उगने वाली जड़ वाली सब्जियां (जैसे मूली, गाजर, अरबी) खाने से भी बचना चाहिए।

जल देते समय बोलने की विधि और मंत्र

गोत्र और नाम का उच्चारण: जल में काले तिल, जौ और पुष्प मिलाकर हाथ में लें। इसके बाद अपना गोत्र बोलकर अपने पूर्वज (जैसे पिता, दादा आदि) का नाम और तिथि बोलें।



मुख्य मंत्र:

“गोत्रे अस्मद्विपतामह (पितामह/पूर्वज का नाम) वसुरुपतु गृह्यतमिद तिलोदकम गंगा जलं वा तस्मै स्वधा नमः”

पितृ पक्ष पूर्वजों को याद करने और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के खास दिन होते हैं। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इन 16 सोलह दिनों में हमारे पूर्वज कोई न कोई रूप लेकर

यात्री में सजाएं खीर

पितृ पक्ष के भोजन में खीर का विशेष स्थान माना जाता है। दूध और चावल से बनी सादी खीर को कई परिवारों में श्राद्ध के भोजन में शामिल किया जाता है। आप दूध और छोटे चावल का इस्तेमाल कर

पूरी के साथ काले चने

पूरी और काले चने का संयोजन पारंपरिक भोजन में खूब पसंद किया जाता है। बिना प्याज-लहसुन के बनाए गए मसालेदार या सादे काले चने पूरी के साथ परोसे

परिवार से मिलने आते हैं। वही वजह है कि उनके लिए तर्पण के साथ ही श्राद्ध भी किया जाता है और उनके भोजन में कई तरह के सात्विक पकवान शामिल होते हैं।

जा सकते हैं।

कढ़ू की सजाई

सात्विक भोजन में कढ़ू की सब्जी एक आसान विकल्प है। इसे हल्के मसालों के साथ बनाया जा सकता है। कई घरों में श्राद्ध भोज के दौरान मौसमी और साधारण सब्जियों को प्राथमिकता दी जाती है।

सादा चावल और दाल

श्राद्ध की थाली को पूरा करने के लिए सादा चावल और दाल भी बनाए जा सकते हैं। भोजन को अधिक मसालेदार बनाने के बजाय

पितृ पक्ष में पितरों के लिए सजाएं सात्विक थाली



साधारण तरीके से तैयार करना पारंपरिक सात्विक भोजन की शैली से मेल खाता है।

सूजी का हलवा
मीठे में आटे या सूजी का हलवा बनाया जा सकता है। घी, आटा या

पूड़ी-कढ़ू से लेकर तिल के लड्डू तक शामिल करें पकवान

सूजी और घीनी से तैयार यह पारंपरिक मिठाई कई तरह के धार्मिक भोज में बनाई जाती है।

क्या हर दिन साबुन से नहाना सही है?

सुबह उठकर नहाना हमारी रोजाना की दिनचर्या का हिस्सा है। कई लोग तरोताजा और साफ महसूस करने के लिए हर दिन साबुन से नहाने हैं। कुछ लोग दिन में दो बार भी साबुन का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या हर दिन साबुन से नहाना वाकई जरूरी है? इसी तरह के सवाल अक्सर लोगों के मन में आते हैं। हर किसी को ये समझने की जरूरत है कि नहाने की आदत हर व्यक्ति की दिनचर्या, मौसम और त्वचा के अनुसार अलग हो सकती है। ऐसे में यह समझना जरूरी है कि रोजाना साबुन का इस्तेमाल कब और कितना करना चाहिए। आइए जानते हैं रोज साबुन लगाने से जुड़ी जरूरी बातें।

हर व्यक्ति की त्वचा और रोजमर्रा की गतिविधियां अलग होती हैं। अगर आप ज्यादा पसीना बहाते हैं, एक्सरसाइज करते हैं या धूल-मिट्टी के संपर्क में रहते हैं, तो शरीर की

सफाई पर ज्यादा ध्यान देना जरूरी है। वहीं, सामान्य दिनचर्या में पूरे शरीर पर ज्यादा मात्रा में साबुन लगाने पर कुछ लोगों की त्वचा में रुखापन या खिंचाव महसूस हो सकता है।

खासकर झाड़ू या संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को साबुन चुनते समय सावधानी बरतनी चाहिए। मौसम और त्वचा के प्रकार के हिसाब से नहाने का तरीका भी बदल सकता है।



ज्यादा साबुन से त्वचा हो सकती है रूखी

साबुन त्वचा से तेल और गंदगी हटाने में मदद करता है, लेकिन बार-बार इस्तेमाल करने पर कुछ लोगों की त्वचा में रुखापन या खिंचाव महसूस हो सकता है। खासकर झाड़ू या संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को साबुन चुनते समय सावधानी बरतनी चाहिए। नहाने के बाद त्वचा पर खिंचाव या सफेद परत जैसी समस्या महसूस हो तो मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल किया जा सकता है।

किन हिस्सों की सफाई पर दें ज्यादा ध्यान?

शरीर के जिन हिस्सों में पसीना ज्यादा आता है, वहां नियमित सफाई जरूरी है। बगल, कमर और पैरों जैसे हिस्सों पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। इन हिस्सों में पसीना और गंदगी जमा होने से दुर्गंध या त्वचा संबंधी परेशानी हो सकती है। बाकी शरीर के लिए त्वचा की जरूरत के अनुसार हल्के क्लींजर या साबुन का इस्तेमाल किया जा सकता है।

नहाते समय इन बातों का रखें ध्यान

बहुत गर्म पानी से लंबे समय तक न नहाएं, क्योंकि इससे त्वचा की नमी कम हो सकती है। त्वचा को जोर से रगड़ने के बजाय हल्के हाथों से साफ करें। नहाने के बाद त्वचा को तैलिए से घीरे-घीरे सुखाएं और अगर त्वचा रूखी लगती है तो मॉइस्चराइजर लगाया जा सकता है। किसी त्वचा संबंधी समस्या या लगातार खुजली, जलन और अत्यधिक रुखापन की स्थिति में त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है।

आज का राशिफल

मेघ राशि - मेघ राशि वालों के लिए 29 सितंबर 2026, मंगलवार का दिन पारिवारिक दृष्टि से सुखद रहेगा। पिछले कुछ समय से चल रही विपरीत परिस्थितियों में सुधार देखने को मिलेगा। आपको कोई प्रशासनिय कार्य करने का अवसर मिल सकता है, जिससे आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी।
वृषभ राशि - वृष राशि वालों के लिए मंगलवार 29 सितंबर 2026 के दिन वर्कप्लेस में थोड़ी टेंशन हो सकती है। नए काम की शुरुआत करने से पहले थोड़ा रिसर्च करें किसी निर्णय को लेकर डर महसूस हो तो भी धैर्य न खोएं और दूसरों की बातों में आकर जल्दबाजी न करें। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला आपके पक्ष में जाता दिखाई दे सकता है।
मिथुन राशि - मिथुन राशि वालों के लिए 29 सितंबर 2026, मंगलवार का दिन को मिथुन राशि वाले ऐसे लोग जो उद्योग और व्यापार से जुड़े हैं, के लिए दिन सफलता देने वाला रहेगा। पर के लिए उपयोगी वस्तुओं की खरीदारी या संचय हो सकता है। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि के संकेत हैं। ससुराल पक्ष से मुलाकात रिश्तों में गर्मागर्मी बढ़ाएगी। परिवार से जुड़ी निजी बातों को दूसरों के साथ साझा करने से बचें, वरना छोटी बात अनावश्यक रूप से बढ़ सकती है।

कर्क राशि - कर्क राशि की मंगलवार 29 सितंबर का दिन प्रतिभा और बुद्धि के विकास के लिहाज से अच्छा रहेगा। रोजाना और मित्रों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में वांछित उन्नति का रास्ता खुल सकता है। बरिष्ठ लोगों का मार्गदर्शन मिलने से काम आसानी से पूरे होंगे और आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने की कोशिशों में सफलता मिल सकती है।
सिंह राशि - सिंह राशि वालों की 29 सितंबर 2026 मंगलवार के दिन मेटर पीसा बढ़ेगी। विपरीत परिस्थितियों में सुधार आने से रुके हुए काम गति पकड़ सकते हैं। व्यवसाय में उम्मीद से अधिक लाभ मिलने की संभावना है। जिन कामों में लंबे समय से अड़थक आ रही थी, उनमें रास्ता खुलता नजर आएगा। हालांकि दूसरों के मामलों में जरूरत से ज्यादा हस्तक्षेप करने से बचें।

कन्या राशि - कन्या राशि वालों के लिए मंगलवार 29 सितंबर 2026 का दिन नई उम्मीदें लेकर आ सकता है। धैर्य और साहस के साथ किंग गै प्रयास सफल होंगे। वन प्रांति के अवसर बढ़ सकते हैं और नौकरपेशा लोगों को कार्यस्थल पर उत्साहजनक परिस्थितियां मिलेंगी। संतान की संगति पर ध्यान दें और वाहन चलाने समय किसी भी तरह की लापरवाही न करें।

तुला राशि - तुला राशि वालों के लिए मंगलवार 29 सितंबर 2026 को तुला राशि को जरूरी खर्चों को प्राथमिकता देना आपके लिए उपयोगी रहेगा। परिवार के प्रति जिम्मेदारियां निभाने से संतोष मिलेगा। पारिवारिक जिम्मेदारियों को पूरा करने में ओपेक्षा से अधिक खर्च हो सकता है। आज का दिन रिश्तों की गर्माहट और मानसिक सुकून लेकर आएगा। जीवनसाथी का सहयोग आपको भीतर से मजबूत करेगा और आपसी प्रेम भी बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि वालों के लिए मंगलवार 29 सितंबर को वृश्चिक राशि वालों के लिए उपलब्धियों से भरा रह सकता है। राजनीतिक या प्रभावशाली लोगों से संपर्क बढ़ सकता है और इसका लाभ भविष्य में मिल सकता है। नौकरी में शुभ परिवर्तन के संकेत हैं। विरोधियों पर आपका प्रभाव मजबूत रहेगा और नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। व्यापार से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण काम आपको यात्रा पर भी ले जा सकता है। बस आने गुस्से पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा।

धनु राशि - धनु राशि वालों के लिए मंगलवार 29 सितंबर 2026 को धनु राशि के जातकों को किसी बड़ी योजना को पूरा करने में कई लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। समूहिक प्रयास से महत्वपूर्ण काम आगे बढ़ेगा। सहेत में पहले की तुलना में सुधार महसूस होगा, लेकिन जरूरत पड़ने पर भी किसी से धन उधार लेने से बचना बेहतर रहेगा। कार्यस्थल पर अपनी बात स्पष्ट और आत्मविश्वास के साथ रखें।

मकर राशि - आज स्वास्थ्य को लेकर राहत महसूस होगी और माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए सौभाग्य का कारण बनेगा। लंबे समय से अटक के काम पूरे होने की उम्मीद है, इसलिए जिम्मेदारियों को टालने के बजाय समय पर पूरा करें। संतान की भावनाओं को समझने की कोशिश करेंगे तो आपसी रिश्ता और मजबूत होगा। पुराने कर्ज से राहत मिलने के संकेत हैं।

कुंभ राशि - कुंभ राशि वालों का मंगलवार 29 सितंबर 2026 का दिन स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता बढ़ेगी तथा नए लोगों से परिचय का दायरा विस्तृत होगा। घर-गृहस्थ में सुख-शांति बनी रहेगी। हालांकि आमदनी की तुलना में खर्च अधिक हो सकता है, इसलिए बजट पर ध्यान दें। आज आपकी मेहनत का परिणाम साफ दिखाई देगा और आत्मविश्वास पहले से अधिक मजबूत होगा। साहस और पराक्रम बढ़ने से आप बड़े फैसले लेने में खुद को अधिक सक्षम महसूस करेंगे।

मीन राशि - मीन राशि वालों को मंगलवार 29 सितंबर 2026 का दिन कार्यक्षेत्र में प्रशासनीय काम करने का अवसर मिल सकता है। आपका धैर्य, गंभीरता और रहनशीलता परिवार से जुड़े किसी महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने में मदद करेगी। आज दिन सकारात्मक परिणामों से भरा रह सकता है। समझदारी और सोच-विचार के साथ किया गया निवेश भविष्य में अच्छा लाभ दे सकता है। व्यापार में सफलता के अवसर मिलेंगे और रुका हुआ पैसा वापस आने से आर्थिक राहत महसूस होगी।

रोजाना अपनाएं ये जादुई आदतें

भा गौड़ भरी आधुनिक जिंदगी में खुद को सेहतमंद और ऊर्जावान बनाए रखना किसी चुनौती से कम नहीं है। हम अक्सर अपनी व्यस्त दिनचर्या में छोटी-छोटी गलत बेहद महत्वपूर्ण आदतों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं, जिनसे धीरे-धीरे शारीर में थकान, मानसिक तनाव और बीमारियों का खतरा बढ़ने लगता है। अगर आप भी अपनी लाइफस्टाइल में बड़ा बदलाव लाए बिना, केवल कुछ आसान आदतों को सुधारकर एक सुशहल और योगात्मक जीवन जीना चाहते हैं, तो ये सुझावे जिनका आपकी जिंदगी को पूरी तरह बदल सकते हैं। आइए जानते हैं कि रोजमर्रा के जीवन में कौन से बदलाव आपको लंबे समय तक फिट रख सकते हैं:

दैनिक खुराक को बनाएं रंग-बिरंगा (संतुलित और पोषण युक्त आहार)

अपनी दैनिक खुराक में प्रचुर मात्रा में ताजे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, अंकुरित अनाज और प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। जितना हो सके प्रस्रकृत (प्रोसेस्ड) भोजन और जंक फूड से दूरी बनाएं, क्योंकि आपकी सेहत का सीधा रास्ता आपकी थाली से होकर गुजरता है।

7 से 8 घंटे की गहरी नींद (शरीर का नेचुरल रिपेयर मोड)

जिस तरह मोबाइल को चार्जिंग की जरूरत होती है, उसी तरह हमारे मस्तिष्क और अंगों को री-चेंज होने के लिए गुणवत्तापूर्ण नींद की आवश्यकता होती है। रोजाना 7-8 घंटे की निबांध नींद लेने से मानसिक थकान दूर होती है और इम्युनिटी भी दृढ़ होती है।

**घर में जब बच्चे का जन्म होता है, तो माहौल एकदम बदल जाता है। खसकर यूपी और बिहार के कई इलाकों में बच्चे के जन्म पर महिलाएं जिलकर सोहर गाती हैं। यह परोपरा सदियों से चली आ रही है। बच्चे के जन्म की खुशी में गाए जाने वाले इस सोहर में परिवार की खुशी, बच्चे के लिए प्यार और उसके अच्छे भविष्य की कामना सुनाई देती है। इस गीत में घर के लोगों की खुशी के साथ बच्चे के आने से परिवार में रोजक बढ़ने का भी जिक्र किया गया है। यह भोजपुरी सोहर यूपी और बिहार की शान है। ऐसे में अगर आप इसका इतिहास और मतलब जानना चाहती हैं तो हमारा यह लेख आपके काम आ सकता है। आइए जानते हैं-
ललना लाल होईहे, कुलवा के दीपक का क्या मतलब है?**



30 मिनट का वर्कआउट रूल (नियमित शारीरिक गतिविधि)
दिनभर में कम से कम आधा घंटा अपने शरीर को सक्रिय रखने के लिए जरूर निकालें। इसके लिए आपको रोज जिम जाने की ही जरूरत नहीं है; आप तेज चाल में टहलना (ब्रिस्क वॉक), एरोबिक्स या कोई पसंदीदा खेल खेलकर भी शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बना सकते हैं।

बॉडी को रखें फुलली हाइड्रेटेड (भरपूर पानी का सेवन)



है, बल्कि त्वचा पर प्राकृतिक निखार भी बना रहता है।

पानी हमारे शरीर के विधात पदार्थों (टॉक्सिन्स) को बाहर निकालने का सबसे बेहतरीन जरिया है। दिनभर में कम से कम 8 से 10 गिलास पानी पीने से न सिर्फ पाचन तंत्र दुरुस्त रहता

संतान जन्मोत्सव का पारंपरिक संगीत सोहर का महत्व

यूपी (भोजपुरी इलाकों) में इसकी बहुत पुरानी परंपरा रही है। इसमें बच्चे के जन्म की खुशियां, परिवार का प्यार और इससे जुड़ी रस्में बहुत खूबसूरती से बयां होती हैं। सोहर सिर्फ एक गाना नहीं है बल्कि महिलाओं के साथ बैठकर जश्न मनाने और अपनी खुशियां बांटने का एक शानदार तरीका है। इस सोहर में बच्चे के लंबी उम्र और खुशहाल जिंदगी की दुआ मांगी जाती है। इसके आने से पूरे घर में जैसे बहार आ गई है और सारी खुशियां लौट आई हैं। गाने में बच्चे के चेहरे और आंखों की खूबसूरती की तुलना उसके मम्मी-पापा से की गई है।

इस गीत का सबसे खास संदेश क्या है?
इस पूरे सोहर का संदेश है कि नन्हे मेहमान के आने की खुशी, उसकी लंबी उम्र की दुआ और घर में आई रौनक का जश्न। गाने में बच्चे की वसुंटेन्स, मम्मी-पापा से मिलती उसकी शवल और परिवार की महिलाओं द्वारा मिलकर बधाइयां बांटने का बहुत ही प्यारा माहौल दिखाया गया है।
क्या है सोहर का इतिहास?
आपको बता दें कि सोहर की जड़ें हमारे इतिहास में बहुत पुरानी हैं। बताया जाता है कि वैदिक काल से ही बच्चों के जन्म और शुभ मौकों पर मंगल गीत गाए जा रहे हैं।
सोहर से जुड़ी खास बातें:
अगर आप शॉर्ट में तब इस सोहर से जुड़ी बातें जानना चाहती

हैं, तो पर्वॉइंटर्स में समझ सकती हैं। जैसे- सोहर बच्चे के जन्म की खुशी में गाया जाने वाला लोकगीत है। भोजपुरी इलाके में सोहर गाने की पुरानी परंपरा रही है। 'ललना लाल होईहे, कुलवा के दीपक' वाला गीत बच्चे के जन्म और परिवार की खुशी पर है। गीत में बच्चे के लंबे जीवन की कामना की गई है। बच्चे के चेहरे को माता-पिता से मिलता हुआ बताया गया है। घर की महिलाएं बच्चे के जन्म पर गाती और खुशी मनाती दिखाई देती हैं।

समय आपका पूरा ध्यान इस बात पर होता है कि आपका शरीर इस वकत किस मुद्रा में है या आप सांस कैसे ले रहे हैं। यह अभ्यास आपको अतीत के पश्चात और भविष्य की चिंता से खींचकर 'वर्तमान क्षण' में ले आता है। जब आप वर्तमान में होते हैं, तो चिंता अपने आप गायब हो जाती है।

चिंता का सीधा सा मतलब है- भविष्य की उन बातों को लेकर डरना जो अभी तक हुई ही नहीं हैं। योग का अभ्यास करते



समय आपका पूरा ध्यान इस बात पर होता है कि आपका शरीर इस वकत किस मुद्रा में है या आप सांस कैसे ले रहे हैं। यह अभ्यास आपको अतीत के पश्चात और भविष्य की चिंता से खींचकर 'वर्तमान क्षण' में ले आता है। जब आप वर्तमान में होते हैं, तो चिंता अपने आप गायब हो जाती है।

कांग्रेसियों का पैदल मार्च, पुतला फूँका, कलेक्टोरेट जाने से रोका तो नारेबाजी और झूमाझटकी

कांग्रेसियों ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए किया प्रदर्शन, कलेक्टोरेट का घेराव करने पहुंचे कांग्रेसी, पुतला भी फूँका



राजनांदगांव। एमआईआर में गड़बड़ी और वोट चोरी के मामले को लेकर सोमवार को कांग्रेस ने पैदल मार्च, पुतला दहन और कलेक्टोरेट का घेराव किया। इस दौरान पुलिस ने भी उन्हें रोकने का भरसक प्रयास किया, इसमें पुलिस और कांग्रेसियों के बीच झूमाझटकी भी हुई। कुछ कांग्रेसियों को

प्रदर्शन के दौरान चोटें भी आईं। प्रदर्शन के बाद कांग्रेसियों ने जिला प्रशासन को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भी सौंपा। शहर अध्यक्ष जितेंद्र मुर्दलियार ने कहा कि लगातार लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के सुप्रीम लीडर राहुल गांधी लगातार चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर

सवाल उठा रहे हैं। लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार चुनाव आयुक्त ज्ञानेश सिंह को शह देकर रखी है। इस कारण चुनावी प्रक्रिया से लेकर वोटों के नाम काटने में मनमानी की गई। बिहार, मप्र, पश्चिम बंगाल और कई प्रदेशों में मतदाताओं के नाम काटे गए, इसमें चुनाव परिणाम भी प्रभावित हुए।

लेकिन अब चुनाव के ही दो अधिकारियों ने इस पर सवाल उठाए हैं। इसलिए प्रदर्शन कर मांग की जा रही है कि मामले की जांच होनी चाहिए और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश सिंह पर मामला कायम किया जाना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान जिला अध्यक्ष विपिन यादव, रमेश डाकलिया, श्रीकिशन खडेलवाल, छन्नी साहू, क्रांति बंजारे, रूपेश दुबे, मेहुल मारु, विनय झा व अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

पुलिस की बैरिकेडिंग पर भिड़े

कांग्रेसियों ने जय स्तंभ चौक पैदल मार्च के बाद पुतला दहन किया और कलेक्टोरेट का घेराव करने निकले। परिसर के पहले ही पुलिस के कांग्रेसियों को रोकने के लिए बैरिकेड्स लगा दिए थे। प्रदर्शन के दौरान बैरिकेड्स हटाकर कांग्रेस कलेक्टोरेट जाना चाहते थे, वहीं पुलिस जवानों ने उन्हें वहीं रोकने का प्रयास किया। इस दौरान दोनों के बीच धक्कामुक्की और झूमाझटकी भी हुई।

कांग्रेस जनता को भ्रमित कर रही, सफल नहीं होंगे : सांसद पांडेय



कहा कि कांग्रेस आम जनता के बीच जाकर भ्रम पैदा करने का काम कर रही है, लेकिन इसमें सफलता प्राप्त नहीं कर पाएगी।

कांग्रेस के पास कोई मुद्दा ही नहीं है: मधुसूदन यादव

महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि कांग्रेस बेजुबान के प्रदर्शन कर रही है, उसके पास कोई मुद्दा नहीं है। लोगों का ध्यान खींचने के लिए ऐसा किया जा रहा है। श्री यादव ने कहा कि 13 करोड़ लोगों का नाम काटा गया, किसी भी नाम को बिना प्री या अप्रार काटा गया होता तो जनता के बीच से अक्राज नहीं उठती। छग सहित अन्य प्रदेशों में एप्रआईआर की प्रक्रिया को पूरा किया गया। दसराजेज जमा करने कई भौके दिए गए, जिनके पास दसराजेज ही नहीं है, उन्हें अवैध कटार दिया गया है।

विवाद के बाद गरमाया माहौल, गोली चलने की खबर, मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

देर रात स्टेट स्कूल के सामने ओवरब्रिज के पास की घटना

सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों से पुष्टता जरूरी

राजनांदगांव। शहर के स्टेट हाई स्कूल के सामने ओवरब्रिज से लगी रोड पर रविवार रात गोली चलने की खबर सामने आई। तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची। आसपास के लोगों की भीड़ भी जुट गई, वहां मौजूद लोगों से पुष्टता की गई। लेकिन शुरुआती जांच में स्पष्ट नहीं हो पाया है कि गोली चली है। दूसरी तरफ पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। ताकि गोली चलने की पुष्टि की जा सके। डीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि घटना के बाद से जांच की जा रही है। लेकिन अब तक तो



जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार मौके पर विवाद हुआ था। लेकिन खबर गोली चलने की सामने आई है, उससे भी पुष्टता की जा रही है। इसके अलावा विपिन का नाम सामने आया है, उससे भी पुष्टता की जाएगी। उन्होंने कहा कि मामले की हर पहलू की जांच की जा रही है। जल्द ही स्पष्ट हो जाएगा कि गोली चली है या यह सिर्फ कोरी

लड़के साथ विवाद होना बताया गया है, उससे भी पुष्टता की जा रही है। इसके अलावा विपिन का नाम सामने आया है, उससे भी पुष्टता की जाएगी। उन्होंने कहा कि मामले की हर पहलू की जांच की जा रही है। जल्द ही स्पष्ट हो जाएगा कि गोली चली है या यह सिर्फ कोरी

वड़नगर से वाराणसी तक ‘जल जन सेवा संकल्प यात्रा’ 29 सितंबर को पहुंचेगी भिलाई

32 बंगला से चरोदा तक होगा स्वागत एवं सेवा कार्य, 500 युवा मोर्चा कार्यकर्ता बाइक से होंगे शामिल

भिलाई। भारतीय जनता युवा मोर्चा के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर ‘जल जन सेवा संकल्प यात्रा’ का आयोजन किया जा रहा है। वड़नगर से वाराणसी तक निकल रही यह यात्रा 17 सितंबर 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर प्रारंभ हुई है। यात्रा का उद्देश्य सेवा, जनसहभागिता और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों के माध्यम से लोगों तक सेवा का संदेश पहुंचाना है। यात्रा के क्रमिक-8 चरण के तहत 29 सितंबर को यह यात्रा भिलाई पहुंचेगी। वड़नगर से रवाना हुए करीब 50 युवा मोर्चा बाइकर्स विभिन्न स्थानों पर रुकते हुए सेवा कार्यों में सहभागिता कर रहे हैं। यात्रा के दौरान स्थानीय स्तर पर भी विभिन्न सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

32 बंगला से चरोदा तक रहेगा यात्रा का मार्ग-भिलाई जिले में यात्रा का आगमन 29 सितंबर को



दोपहर करीब 2 बजे होगा। यात्रा 32 बंगला से प्रारंभ होकर सेक्टर-9 चौक पहुंचेगी, जहां युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं द्वारा यात्रियों का स्वागत किया जाएगा। इसके बाद यात्रा हड़को स्थित गौशाला पहुंचेगी, जहां सेवा कार्य किया जाएगा। इसके पश्चात यात्रा फील परमार्थम, सेक्टर-3 में पहुंचेगी, जहां मानसिक रूप से दिव्यांग एवं जरूरतमंद लोगों के बीच सेवा कार्य किया जाएगा। विभिन्न सेवा गतिविधियों में

सहभागिता के बाद यात्रा भिलाई-चरोदा होते हुए रायपुर के लिए रवाना होगी। 500 युवा मोर्चा कार्यकर्ता बाइक से होंगे शामिल-यात्रा के भिलाई आगमन को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला भिलाई द्वारा भी व्यापक तैयारियों की गई हैं। जिला भिलाई के करीब 500 युवा मोर्चा कार्यकर्ता बाइक के माध्यम से यात्रा में शामिल होंगे। कार्यकर्ता यात्रा के निर्धारित मार्ग पर यात्रियों के साथ

चलते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान देंगे। युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं द्वारा यात्रा के विभिन्न पड़ावों पर स्वागत एवं सेवा गतिविधियों में सहभागिता की जाएगी। आयोजकों के अनुसार, ‘जल जन सेवा संकल्प यात्रा’ के माध्यम से सेवा को जनभागीदारी से जोड़ने और सामाजिक सरोकारों के प्रति युवाओं की सक्रिय भूमिका को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

निगम चुनाव से पहले विधायक रिकेश का मास्टरस्ट्रोक

वैशाली नगर विधानसभा के वार्डों के लिए 2052 लाख से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

भिलाई नगर। आगामी नगर पालिक निगम चुनाव के ठीक पहले वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई रफ्तार मिलने जा रही है। विधायक रिकेश सेन की विशेष पहल और सक्रिय प्रयासों के चलते राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने 15वें वित्त आयोग के तहत वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्ड 1 से वार्ड 37 तक के लिए कुल 20 करोड़ 52 लाख 43 हजार रुपये के विकास कार्यों की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। विधायक द्वारा शासन को भेजे गए विस्तृत कार्ययोजना प्रस्ताव पर मुहर लगने से क्षेत्र के 37 वार्डों में लंबे समय से प्रतीक्षित बुनियादी अघोसरचना के कार्यों को गति मिलेगी।

स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार वार्ड 1 से 37 के अंतर्गत कुल 85 महत्वपूर्ण विकास कार्य कराए जाएंगे। इनमें विभिन्न वार्डों के अतिरिक्त व मुख्य अघोसरचना विकास हेतु 20.03 करोड़ रुपये

से अधिक तथा पूरे वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में आधुनिक प्रकाश व्यवस्था व सौंदर्यीकरण के लिए डिजाइनर पोल लगाने हेतु 49 लाख रुपये की राशि शामिल है। इस प्रकार केवल वैशाली नगर विधानसभा के वार्ड 1 से 37 के लिए कुल 2052.43 लाख रुपये की भारी-भरकम स्वीकृति राज्य शासन से हासिल की गई है।

सड़क, नाली, डामरीकरण और प्रकाश व्यवस्था का बिछेगा जाल- संचालनालय द्वारा जारी आदेशानुसार वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र के सभी 37 वार्डों में जनसुविधा से जुड़े प्राथमिक कार्यों को प्रमुखता से शामिल किया गया है। खमहरिया मुक्तिधाम मार्ग व गलियों में 40 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड व नाली निर्माण होगा। स्मृति नगर, पुष्पक नगर एवं आनंद नगर में लगभग 58.75 लाख रुपये से आरसीसी नाली का जाल



बिछेगा। नेहरू नगर एलआईजी में सीसी रोड व नाली हेतु 40 लाख, दक्षिण गंगोत्री एवं

लोधीपारा क्षेत्र में डामरीकरण व सीमेंटीकरण, तथा राधिका नगर एवं कल्याण समिति क्षेत्र में हाई मास्ट लाइट व मार्ग सीमेंटीकरण के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। वार्ड सुंदर नगर, फरीद नगर में कच्cher नाली व सीमेंटीकरण के कार्य होंगे। शिक्षक नगर, विवेकानंद नगर व सनातन नगर में 40 लाख की लागत से सीसी रोड बनाई जाएगी। साकेत नगर भेलवा तालाब से कृष्णा ग्रांड सिटी तक सड़क व नाली के लिए 75 लाख, अंबेडकर नगर में डामरीकरण, सीमेंटीकरण व नाली निर्माण के लिए 114 लाख, तथा वैशाली नगर व काली बाड़ी मैदान में पेवर ब्लॉक, आरसीसी नाली, डोमशेड व ट्यूबुलर पोल स्थापना के लिए 145 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है।

कैलाश नगर एवं परशुराम मार्ग में 95 लाख रुपये से सीसी रोड का निर्माण होगा। हार्डीसंग बोर्ड फैजी नगर व एमआईजी क्षेत्र में सड़क,

नाली व सीवेज नवीनीकरण हेतु 150 लाख, जवाहर नगर में सीमेंटीकरण, कलवर्ट और सीसी रोड के लिए 178.99 लाख, तथा राम नगर व कब्रिस्तान क्षेत्र में नाला रिटेनिंग वॉल व सीसी रोड निर्माण हेतु 241.68 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। इसके अतिरिक्त शास्त्री नगर, प्रेम नगर, वृंदा नगर एवं प्रगति नगर में अतिरिक्त सड़कों के सीमेंटीकरण के कार्य कराए जाएंगे। आदर्श नगर कबीर भवन व जेपी नगर मार्ग पर 28 लाख रुपये से सीसी रोड एवं आरसीसी नाली निर्माण होगा। बैकुंठधाम क्षेत्र में नाली, सीमेंटीकरण व पेवर ब्लॉक, संतोषी पारा एवं शिवाजी नगर में सीसी रोड व नाली पुलिसा कच्cher कार्य, तथा किशन चौक, टाटा लाइन, रवि रविदास नगर एवं चटाई क्वार्टर क्षेत्र में सीमेंटीकरण व नाली निर्माण के कार्य शामिल हैं।

चुनावी माहौल में बढ़ी हलचल, जनता

में उसाह- नगर निगम चुनाव की रणभेरी बजने से पहले इतनी बड़ी राशि की स्वीकृति को विधायक रिकेश सेन का बड़ा विकासात्मक व रणनीतिक कदम माना जा रहा है। वार्ड 1 से 37 के अंतर्गत आने वाली कॉलोनिअल, वस्तियों और प्रमुख रियायती क्षेत्रों में जल निकासी, जर्जर सड़कों के डामरीकरण और प्रकाश व्यवस्था की मांग स्थानीय नागरिक लंबे समय से कर रहे थे। एक साथ 20.52 करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों की मंजूरी मिलने से वार्डवासियों और कार्यकर्ताओं में जबर्दस्त उसाह देखा जाने को मिल रहा है, वहीं इस फैसले ने चुनावी फिना में सरगमीं तेज कर दी है। शासन ने भी स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्यों की निविदा प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य घरातल पर शुरू कराया जाए।